RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 154 , शुक्रवार, 17 जुलाई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

'एक शाम माही बाबू के नाम' मुशायरा सह कवि सम्मेलन में सजी अदब की महफिल, देर रात ... 03

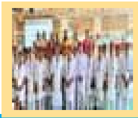

नर्सिंग सेवा मानवता का सबसे बड़ा दायित्व, समर्पण और अनुशासन से बनें उत्कृष्ट... 04

मलाइका अरोड़ा का बोल्ड अवतार देख फैंस हुए मदहोश 07

संक्षिप्त समाचार

हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया तो प्यार को मिली जीत

- अब जेल में होगी दो कैदियों की शादी, सजेगा मंडप

जोधपुर (एजेंसी)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण और मानवीय निर्णय सुनाते हुए हत्या के अलग-अलग मामलों में सजा काट रहे दो बंदियों को जेल परिसर में विवाह करने की अनुमति प्रदान की है। अदालत ने कहा कि यदि दो बालिग व्यक्ति अपनी

स्वतंत्र इच्छा से विवाह करना चाहते हैं, तो यह भारतीय संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत प्राप्त जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का हिस्सा है। मामला जोधपुर के मंडोर स्थित ओपन एयर कैंप से जुड़ा है, जहां सजा काट रहे बंदी मुलाराम ने अपने विवाह की अनुमति के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। जिस महिला सीमा से उसका विवाह होना है, वह भी हत्या के मामले में सजायाफ्ता है और वर्तमान में पैरोल पर बाहर है। दोनों ने अदालत को बताया कि वे अपनी स्वेच्छा से विवाह करना चाहते हैं और इसे अपने सामाजिक पुनर्वास की दिशा में एक सकारात्मक कदम मानते हैं।

50 लाख में स्कूल लेक्चरर का पेपर खरीदने वाला गिरफ्तार

एक अभ्यर्थी से 7 लाख लेकर पेपर पढ़ाया, सीनियर टीचर का पेपर 29 अभ्यार्थियों तक पहुंचाया

जयपुर (एजेंसी)। स्कूल व्याख्याता (कृषि विज्ञान) भर्ती परीक्षा-2022 के पेपर लीक मामले में एसओजी ने विनोद कुमार जाट उर्फ विनोद रेवाड़ (45) को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने लीक पेपर

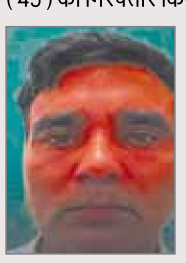

खरीदकर अभ्यर्थियों को पढ़ाया था। साथ ही सरकारी नौकरी दिलवाई थी। आरोपी को एसओजी ने गुरुवार को चौमूं से गिरफ्तार किया है।एडीजी एसओजी विशाल बंसल ने बताया- एसओजी थाने में दर्ज केस की जांच में सामने आया था कि पेपर लीक गिरोह के सरगना अनिल कुमार मीणा उर्फ शेर सिंह ने तत्कालीन आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा से करीब 60 लाख रुपए में प्रश्नपत्र हासिल किए थे।

आजम खान की जौहर यूनिवर्सिटी पर चलेगा बुलडोजर!

- 40 में से 38 इमारतें ध्वस्त करने का आदेश

रामपुर (एजेंसी)। रामपुर विकास प्राधिकरण ने मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय की 40 में से 38 इमारतों को बिना स्वीकृत नक्शे के निर्मित बताते हुए उन्हें ध्वस्त करने का आदेश जारी किया है। इस विश्वविद्यालय की स्थापना समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खान ने की थी। वर्तमान में जेल में बंद आजम खान विश्वविद्यालय के आजीवन कुलाधिपति तथा इसकी संचालक संस्था मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट के अध्यक्ष हैं।

कनिष्ठ अभियंता की रिपोर्ट और सुनवाई के बाद आया

आरडीए का फैसला- अधिकारियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश शहरी योजना एवं विकास अधिनियम, 1973 की धारा 27(1) के तहत विस्तृत सुनवाई और अभिलेखों की जांच के बाद विश्वविद्यालय की 38 इमारतों को ध्वस्त करने का आदेश जारी किया गया। रामपुर के जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि जौहर विश्वविद्यालय परिसर में कथित तौर पर बिना अनुमति किए गए निर्माण के संबंध में क्षेत्रीय कनिष्ठ अभियंता की रिपोर्ट मिलने के बाद यह कार्रवाई शुरू की गई। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय प्रबंधन को नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया था। इसके बाद संस्थान ने 8 जुलाई को अपना जवाब दाखिल किया और 15 जुलाई को विश्वविद्यालय तथा रामपुर विकास प्राधिकरण की ओर से उपस्थित अधिकारियों और अधिवक्ताओं की मौजूदगी में व्यक्तिगत सुनवाई हुई।

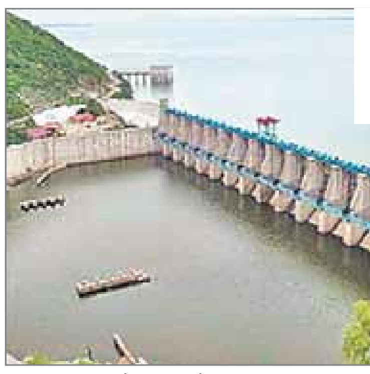

बीसलपुर बांध का घटता जलस्तर बढ़ा रहा चिंता

टोंक-जयपुर समेत कई शहरों पर मंडराया जल संकट का खतरा

जयपुर /टोंक (एजेंसी)। राजस्थान की सबसे बड़ी पेयजल परियोजनाओं में शामिल बीसलपुर बांध में पानी की घटती आवक ने प्रदेश के कई जिलों की चिंता बढ़ा दी है। इस बार मानसून की कमजोर स्थिति के कारण बांध का जलस्तर लगातार नीचे जा रहा है। जुलाई के पहले सप्ताह में हुई बारिश के बाद बीसलपुर बांध के जलग्रहण क्षेत्र में वर्षा का दौर थम गया, जिससे बांध में पानी की आवक लगभग बंद हो गई है।

बुधवार सुबह बीसलपुर बांध का जलस्तर घटकर 313.68 आरएल मीटर दर्ज किया गया। पिछले पांच दिनों में बांध का जलस्तर करीब 2 सेंटीमीटर तक कम हुआ है। वहीं, बांध से लगातार हो रही पेयजल निकासी और तेज गर्मी के कारण बढ़ रहे वाष्पीकरण ने जलस्तर पर अतिरिक्त दबाव बना दिया है।

सबसे बड़ी चिंता यह है कि इस साल बीसलपुर बांध का जल भंडारण पिछले वर्ष की तुलना में काफी कम चल रहा है। आंकड़ों के अनुसार, 14 जुलाई 2025 को बांध का जलस्तर 314.07 आरएल मीटर था और जल भंडारण क्षमता में करीब 28.771 टीएमसी पानी मौजूद था। जबकि इस वर्ष 10 जुलाई को जल भंडार केवल 26.286 टीएमसी दर्ज किया गया। यानी पिछले साल की तुलना में इस बार करीब 2.49 टीएमसी पानी की कमी

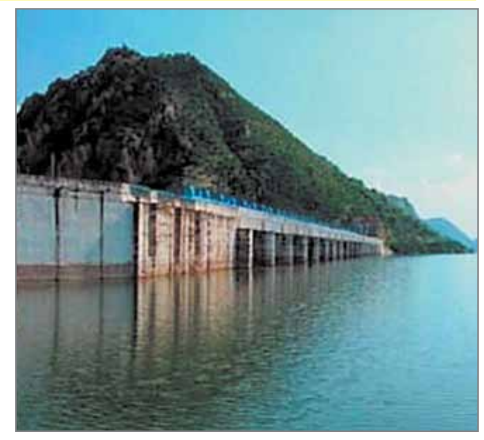

दर्ज की गई है। मानसून सक्रिय होने के बाद 3 जुलाई को बीसलपुर बांध में करीब 25.320 टीएमसी पानी था। इसके बाद बारिश के चलते 10 जुलाई तक जल भंडार बढ़कर 26.286 टीएमसी पहुंचा। यानी एक सप्ताह के दौरान केवल 0.966 टीएमसी पानी की बढ़ोतरी हुई। इसके बाद जलग्रहण क्षेत्र में बारिश कमजोर पड़ने से बांध में नई आवक लगभग रुक गई और जलस्तर में फिर गिरावट शुरू हो गई। बीसलपुर बांध राजस्थान के कई प्रमुख शहरों की पेयजल जरूरतों को पूरा करता है। यहां से जयपुर, अजमेर, टोंक और ब्यावर सहित कई क्षेत्रों में रोजाना पानी की आपूर्ति की जाती है। ऐसे में बांध में पानी की कमी का असर आने वाले समय में इन शहरों की जल व्यवस्था पर पड़ सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, मानसून की सक्रियता और अच्छी बारिश ही बांध के जलस्तर में सुधार ला सकती है। फिलहाल जलग्रहण क्षेत्र में पर्याप्त बारिश नहीं होने से प्रशासन और जल विभाग की चिंता बढ़ गई है।

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा शुरु

पुरी में दर्शन के लिए उमड़ी भक्तों की भीड़, बारिश भी नहीं तोड़ पाई भक्तों का हौसला

अहमदाबाद/ पुरी (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी में भगवान श्री जगन्नाथ जी की रथयात्रा आज से विधि विधान के साथ शुरू हो गई। यह हिंदू धर्म के सबसे बड़े, भव्य और प्राचीन धार्मिक उत्सवों में से एक है। भगवान जगन्नाथ की एक झलक पाने के लिए देश-विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु पुरी पहुंचे।

'नीलाचल-निवासया नित्याया परमात्मने, बलभद्र-सुभद्राभ्यां जगन्नाथाय ते नमः' (मैं भगवान जगन्नाथ को नमन करता हूँ, जो शाश्वत परमात्मा हैं और नीलाचल (पुरी) में अपने भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ रहते हैं – जगन्नाथ स्तोत्र)। जरूरी यह नहीं है कि भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के दर्शन के लिए कितने भक्त इकट्ठा हुए हैं. जरूरी यह है कि त्रिदेव, यानी भाई-बहन, भक्तों से मिलने के लिए अपने पवित्र घर से बाहर निकलने के लिए कितने उत्सुक हैं।

हर गुजरते पल के साथ भक्तों की भीड़ बढ़ती जा रही थी कुछ लोग भक्ति में नाचते हुए दिख रहे थे,कुछ बुजुर्गों और बच्चों को लेकर भक्ति में डूबे हुए थे, जबकि कुछ लोग सिंहद्वार (शेर का दरवाजा) पर अपनी नजरें गड़ाए हुए हैं।

पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा में भगदड़, 1 की मौत

100 से ज्यादा घायल, तेज बारिश के बीच 10 लाख से ज्यादा लोग मौजूद

ओडिशा के पुरी में जगन्नाथ रथयात्रा के दौरान भगदड़ मच गई। इसमें 1 व्यक्ति की मौत हो गई है। हादसे में 200 से ज्यादा लोगों के घायल होने की खबर है। शाम 5 बजे पहांडी रस्म के दौरान भगवान जगन्नाथ के दर्शन के लिए अचानक लोग रथों के पास जाने लगे।यात्रा रूट पर मौजूद वॉलेंटियर लोगों को पीछे हटा रहे थे। तभी लोग एक-दूसरे को धक्का देने लगे, इससे भगदड़ मच गई। लोग एक-दूसरे पर गिरने लगे।पुरी में इस समय तेज बारिश हो रही है। इसके बावजूद 10 लाख से ज्यादा लोग यात्रा रूट पर मौजूद हैं। यात्रा मुख्य मंदिर से 3 किमी दूर बने गुंडीचा मंदिर तक जाएगी।

पीएम मोदी आज भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को दिखाएंगे हरी झंडी

- हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब को देंगे 25 हजार करोड़ की सौगात

नई दिल्ली/चंडीगढ़ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब के दौरे पर रहेंगे. इस दौरान वो करीब 25 हजार करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। सुबह लगभग 11 बजे प्रधानमंत्री जींद रेलवे स्टेशन पर जींद और सोनीपत के बीच चलने वाली देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इसके बाद पीएम चंडीगढ़ जाएंगे, जहां दोपहर करीब 1:45 बजे वो 6,600 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और उद्घाटन करेंगे। इसके बाद, प्रधानमंत्री जालंधर पहुंचेंगे, जहां वो 5,470 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और उनका उद्घाटन करेंगे। वहीं पीएम मोदी भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाएँगे।

ममता को एक और झटका,कोयल मल्लिक ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की राज्यसभा सांसद कोयल मल्लिक ने गुरुवार को राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। बताया जाता है कि उन्होंने अपना इस्तीफा राज्यसभा के सभापति को सौंप दिया है। टीएमसी की राज्यसभा सांसद कोयल मल्लिक ने इस सिलसिले में उपराष्ट्रपति और राज्यसभा चेयरमैन सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की और अपना इस्तीफा सौंप दिया है।

जीभ काटकर लाओ 10 लाख इनाम में पाओ

मौलाना पर विष्णु दास का बड़ा ऐलान

अयोध्या (एजेंसी)। इटावा के मौलाना जर्जिस अंसारी के विवादित बयान पर अब हंगामा मच गया है। दरअसल, मौलाना ने अपने एक पुराने भाषण में कहा था कि भगवान श्री कृष्ण मुस्लिम हैं और दिन में पांच बार नमाज पढ़ते हैं। मौलाना के इस बयान पर हिंदू संगठन और संत समाज के लोग भड़क उठे हैं। अयोध्या के संत विष्णु दास ने मौलाना के बयान की निंदा करते हुए कहा है कि जो कोई मौलाना जर्जिस अंसारी की जीभ काटकर लाएगा, उसे वह 10 लाख रुपये का नकद इनाम देंगे।

मौलाना जर्जिस अंसारी के बयान पर संत विष्णु दास ने कहा, एक मौलाना ने दावा किया है कि भगवान कृष्ण मुसलमान थे और नमाज पढ़ते थे। जो कोई भी उनकी जीभ काटेगा, उसे 10 लाख रुपए का इनाम दिया जाएगा। मौलाना ने भगवान कृष्ण के भक्तों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई है।

ई20 पेट्रोल से गाड़ी खराब होने का दावा

- रायपुर कंज्यूमर कोर्ट का आदेश- कंपनी नई कार दे या पूरे पैसे लौटाए

रायपुर (एजेंसी)। देश में ई-20 पेट्रोल को लेकर छिड़े विवाद के बीच छत्तीसगढ़ में रायपुर कंज्यूमर कोर्ट ने देश का पहला ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। ई-20 पेट्रोल की वजह से गाड़ी खराब होने की शिकायत के बाद अदालत ने गाड़ी के मालिक के हक में फैसला सुनाते हुए कार कंपनी को आदेश दिया कि या तो नई कार दी जाए नहीं तो पूरे पैसे वापस किए जाएं।

मालिक का आरोप था कि ई20 पेट्रोल के इस्तेमाल से उसकी गाड़ी को काफी नुकसान पहुंचा। उपभोक्ता का दावा है कि ई20 पेट्रोल भरवाने के बाद गाड़ी के इंजन में बार-बार दिक्कतें आने लगीं। जैसे खराब परफॉर्मेंस, मिसफायरिंग और माइलेज या क्षमता में धीरे-धीरे कमी आना।

कंज्यूमर कमीशन ने क्यों दिया उपभोक्ता के हक में फैसला- हालांकि, कंज्यूमर कमीशन मैन्युफैक्चरर की दलीलों से सहमत नहीं हुआ। अपने आदेश में कमीशन ने कहा कि कंज्यूमर ने मरम्मत के लिए कई बार अधिकृत वर्कशॉप से संपर्क किया था लेकिन गाड़ी में वही दिक्कतें बनी रहीं। कमीशन ने माना कि बार-बार मरम्मत की कोशिशों और खराबी के बने रहने से कंज्यूमर का पक्ष मजबूत होता है कि समस्या का असरदार तरीके से समाधान नहीं किया गया था।

यह है पूरा मामला

शिकायत के मुताबिक, बार-बार मरम्मत के बावजूद ये दिक्कतें बनी रहीं और आखिर में इंजन से जुड़े बड़े खर्च करने पड़े। झगड़ा इस बात पर था कि क्या ई20 पेट्रोल का इस्तेमाल मैकेनिकल दिक्कतों के लिए जिम्मेदार था। गाड़ी बनाने वाली कंपनी और डीलर ने इस दावे का विरोध यह कहते हुए किया कि मॉडल ई20 फ्यूल के साथ पूरी तरह से कम्पैटिबल था और ये खराबी रेगुलर टूट-फूट, मेंटेनेंस की दिक्कतों या दूसरी अलग वजहों से हुई थीं।

परिसीमन बिल का विरोध करेगी कांग्रेस

- सोनिया गांधी के घर पर बैठक के बाद बड़ा ऐलान,

मानसून सत्र में राम मंदिर, पेपर लीक और एथेनॉल के मुद्दे पर सरकार को घेरेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने गुरुवार को निर्णय लिया कि वह संसद के आगामी मानसून सत्र में केंद्र सरकार को शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी अनियमितता, पेपर लीक, राम मंदिर के चढ़ावे की कथित चोरी, एथेनॉल, परिसीमन से जुड़े विषय तथा कई अन्य मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगेगी।

पार्टी का यह भी कहना है कि वह इस सत्र में विदेश नीति के अलावा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और अल्पसंख्यकों के अधिकारों से जुड़े विषय को भी प्रमुखता से उठाएगी। इसी क्रम में पार्टी की संसदीय रणनीति को अंतिम रूप देने के लिए कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के आवास '10, जनपथ' पर एक बैठक आयोजित की गई।

बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के अलावा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, संगठन महासचिव के. सी. वेणुगोपाल, राज्यसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक जयराम रमेश समेत कई वरिष्ठ नेता उपस्थित थे। बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा कि ''चंदा चोरी-आस्था से धोखा, प्रश्नपत्र लीक और शिक्षा व्यवस्था का सुनियोजित पतन, संस्थानों पर कब्जा, राजनीतिक दलों को तोड़ना, अनेक घोटाले और भ्रष्टाचार के आरोप, कमरतोड़ महंगाई के अलावा विदेश नीति की विफलताएं और रणनीतिक भूलें और 3.5 करोड़ वाहन मालिकों पर एथेनॉल मिश्रण (ब्लेंडिंग) थोपना, बेलगाम वनों की कटाई तथा एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर लगातार हमले'' ऐसे प्रमुख मुद्दे हैं जिनको लेकर कांग्रेस मानसून सत्र में मोदी सरकार से जवाब मांगेगी।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में जनता के जीवन और भविष्य से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

सुप्रीम कोर्ट बोला-9वीं में तीसरी भाषा का बोझ न डालें

- बोर्ड परीक्षा के एक साल पहले बच्चों में तनाव बढ़ेगा, सरकार से कहिए ऐसा न करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई) के क्लास 9 लेवल पर तीसरी भाषा को जरूरी बनाने के फैसले पर सवाल उठाया। कोर्ट ने

कहा कि इससे बोर्ड एग्जाम की तैयारी कर रहे स्टूडेंट्स पर पढ़ाई का दबाव पड़ता है, जिसे टाला जा सकता है. कोर्ट ने सुझाव दिया कि ऐसी कोई भी भाषा क्लास छठी कक्षा से शुरू की जानी चाहिए।

जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने कहा, ये बातें इसलिए अहम हैं क्योंकि ये सीबीएसई के क्लास 9 के स्टूडेंट्स के मौजूदा बैच के लिए एक बार की छूट देने के ऐलान के ठीक दो हफ्ते बाद आई हैं, जिसमें उन्हें क्लास 10 की बोर्ड परीक्षा में तीसरी भाषा लेने से छूट दी गई है। ऐसा स्कूलों, पेरेंट्स और स्टूडेंट्स की तरफ से इस पॉलिसी को अचानक लागू करने को लेकर काफी चिंता के बाद किया गया था। जस्टिस नागरत्ना ने ये बातें मद्रास हाई कोर्ट के 2017 के फैसले के खिलाफ तमिलनाडु सरकार की अपील की सुनवाई के दौरान कहीं।

संक्षिप्त समाचार

बागमती नदी खतरे के निशान से एक मीटर ऊपर, औराई-कटरा प्रखंड के स्कूल परिसरों में पानी भरा

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में बागमती नदी खतरे के निशान से करीब एक मीटर ऊपर बह रही है, जिससे बाढ़ का खतरा गहरा गया है। कटरा, औराई और गायघाट प्रखंड के निचले इलाकों में बाढ़ का पानी तेजी से फैल गया है। कई स्कूल परिसरों और थाना परिसर में भी पानी घुस गया है, जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ है। स्कूल परिसर में पानी भरने से पढ़ाई बाधित हुई है। यह स्थिति नेपाल के जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार हो रही भारी बारिश और वहां से बड़ी मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण उत्पन्न हुई है। नदी के उफान पर होने से इन प्रखंडों की एक बड़ी आबादी प्रभावित हुई है। बाढ़ के पानी ने अब सरकारी इमारतों को भी अपनी चपेट में ले लिया है। औराई और कटरा प्रखंड के कई

स्कूल परिसरों में पानी भर गया है, जिससे छात्रों और शिक्षकों का स्कूल पहुंचना मुश्किल हो गया है और शिक्षा व्यवस्था बाधित हुई है। इसी तरह, गायघाट प्रखंड के बेनीबाद थाने का निचला हिस्सा भी पानी में डूबने की कगार पर है। थाना परिसर में खड़ी जब्त की गई गाड़ियां भी धीरे-धीरे पानी में समाने लगी हैं। यदि जलस्तर में और वृद्धि होती है, तो थाने के दैनिक कामकाज प्रभावित हो सकते हैं। इस बाढ़ संकट के बीच, सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जो स्थानीय लोगों की कठिनाइयों को दर्शाता है। वीडियो में पीपा पुल का अप्रोच मार्ग पूरी तरह पानी में डूबा हुआ दिख रहा है। इसमें एक बुजुर्ग व्यक्ति अपनी जान जोखिम में डालकर नदी पार करते हुए नजर आ रहे हैं, जिन्होंने अपना सामान धोती में बांधकर सिर पर रखा हुआ है। यह दृश्य प्रशासनिक तैयारियों और सुगम यातायात के दावों पर सवाल खड़े करता है।

जमीन विवाद में डबल मर्डर की साजिश का खुलासा, मुख्य आरोपी के 2 सहयोगी गिरफ्तार, एक नाबालिग भी शामिल

हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर थाना क्षेत्र के राजसन गांव में 12 जुलाई को पिता-पुत्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी जगदीश राय के दो सहयोगियों को हिरासत में लिया है। इनमें एक बदमाश और एक नाबालिग लड़का शामिल है। गिरफ्तार बदमाश की पहचान पटना जिले के कौवाकोल निवासी राम पुकार राय के बेटे पप्पू कुमार के रूप में हुई है। दूसरा आरोपी सत्येंद्र राय का नाबालिग बेटा बताया गया है। सदर डीएसपी सुबोध कुमार ने बताया कि जमीन विवाद को लेकर जगदीश राय ने अपने साथियों के साथ मिलकर मुनारिक राय और उनके सैनिक बेटे जितेंद्र कुमार राय की हत्या की थी। घटना के बाद पुलिस अधीक्षक शुभांक मिश्रा के निर्देश पर एक एसआईटी टीम का गठन किया गया। एसआईटी ने तकनीकी अनुसंधान और मानवीय आसूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पटना जिले के बहादुरपुर स्थित बॉयज हॉस्टल में छापेमारी की। यहीं से मुख्य आरोपी जगदीश राय को गिरफ्तार किया गया। जगदीश राय को बिदुपुर थाना लाया जा रहा था, तभी उसने पुलिस गाड़ी में बैठे पुलिसकर्मी का हथियार छीनकर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई। इस दौरान जगदीश राय के दोनों पैरों में गोली लगी। उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस पूछताछ में मुख्य आरोपी जगदीश राय ने हत्या की साजिश का खुलासा किया। उसने बताया कि 10 और 11 जुलाई को उसने अपने साथियों के साथ राजसन गांव में एक बैठक की थी। इस बैठक में कई वर्षों से चले आ रहे जमीन विवाद को खत्म करने के लिए मुनारिक राय और उनके सैनिक बेटे जितेंद्र कुमार राय की हत्या करने का निर्णय लिया गया था। जिससे हमेशा हमेशा के लिए जमीनी विवाद समाप्त किया जाए। हुआ भी ऐसा ही 12 जुलाई को मुनारीक राय अपने सैनिक बेटे के साथ घर से करीब 300 मीटर की दूरी पर कही जा रहा रहा था।

इसी दौरान पहले से घात लगाए जगदीश राय अपने साथियों के साथ मिलकर हत्या कर दी। वहीं जगदीश राय ने पुलिस को बताया कि पप्पू कुमार के सहयोग से सत्येंद्र के पुत्र के बॉयज हॉस्टल पर रुका हुआ था। पुलिस ने जगदीश राय के सहयोग करने के मामले में पटना में छापेमारी कर बदमाश पप्पू कुमार एवं सत्येंद्र कुमार के नाबालिक बेटे को हिरासत में लिया। जहां पूछताछ के बाद पप्पू कुमार को न्यायिक हिरासत जेल भेज दिया गया। जबकि नाबालिक बेटे को बाल सुधार गृह में भेजा गया। वहीं पिता और भाई की मौत के बाद बहन का रो-रोकर बुरा हाल है। रवीना कुमारी अपने एकलौता भाई जितेंद्र कुमार को खोया है। रवीना कुमारी बार-बार कह रही हैं कि अब मैं राखी ककिसे बांधूंगी।अब मुझे कौन उपहार देगा।

महिला के गले से सोने का ढोलना लूटा, बाइक सवारों ने वारदात को दिया अंजाम

हाजीपुर। वैशाली के बिदुपुर में बुधवार दोपहर बैंक ऑफ बड़ौदा के पास एक महिला से सोने की ढोलना झपट ली गई। घटना दोपहर करीब 3:20 बजे हुई, जब महिला अपनी मां के साथ बाजार आई थीं। बदमाश पल्सर बाइक पर सवार थे और वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। पीड़िता की पहचान गैरजैल पहाड़पुर, थाना महआ, जिला वैशाली निवासी मेनिका कुमारी के रूप में हुई है। उन्होंने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि वह अपनी मां के साथ बिदुपुर बाजार में खरीदारी कर रही थीं। इसी दौरान बैंक ऑफ बड़ौदा, बिदुपुर के पास एक काले रंग की पल्सर बाइक पर सवार दो युवक उनके पास आए। अचानक बाइक सवारों ने उनकी गाड़ी रोकी और मेनिका के गले से सोने की चेन झपट ली। मेनिका के चिल्लाने पर दोनों बदमाश अपनी बाइक

से मौके से फरार हो गए। मेनिका कुमारी के अनुसार, झपटी गई सोने की ढोलना की कीमत लगभग 20,000 रुपये थी। उन्होंने बताया कि वह पांच दिन पहले अपनी नानी के घर आई थीं। पीड़िता ने अज्ञात बाइक सवार बदमाशों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बाइक-ऑटो ड्राइवर के बीच सड़क पर मारपीट, साइड देने के विवाद में दोनों पक्ष भिड़े, आधे घंटे तक रोड जाम

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में ऑटो ड्राइवर और बाइक सवार के बीच सड़क पर मारपीट हो गई। एक-दूसरे का कॉलर पकड़ा और घूसे भी मारे। दोनों के बीच साइड देने को लेकर विवाद हुआ था। मारपीट की वजह से कुछ देर के लिए रोड भी जाम हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोपहर के समय ब्रह्मपुरा थाना के सामने मुख्य सड़क पर ऑटो-बाइक सवार में आगे निकलने को लेकर बहस शुरू हो गई। यह बहस जल्द ही हिंसक झड़प में बदल गई। घटना ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र की है। करीब दस मिनट तक यह मारपीट चलती रही। हैरानी की बात यह है कि यह पूरी घटना पुलिस थाने के ठीक सामने हुई, लेकिन पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी। मारपीट को देखने लिए राहगीरों और स्थानीय दुकानदारों की भीड़ जुट गई। लोग अपनी गाड़ियां रोककर खड़े हो गए,

जिससे व्यस्त सड़क पर तत्काल ट्रैफिक जाम लग गया। कुछ राहगीरों ने शुरुआत में बीच-बचाव का प्रयास किया, लेकिन दोनों पक्षों के उग्र व्यवहार को देखकर वे पीछे हट गए। सड़क जब बहुत ज्यादा जाम हो गया तो स्थानीय लोगों और राहगीरों ने हिम्मत जुटाई। दोनों को अलग-अलग किया और समझाकर शांत किया। लोगों ने जब कड़ा विरोध किया तो दोनों अपनी-अपनी गाड़ी लेकर निकल लिए। करीब आधे घंटे तक रोड जाम रहा। ब्रह्मपुरा के थानेदार सब-इंस्पेक्टर विपिन रंजन ने बताया कि घटना के बारे में जानकारी मिली है, लेकिन अभी तक किसी भी पक्ष की ओर से कोई लिखित शिकायत या आवेदन नहीं दिया गया है। अगर कोई भी पक्ष थाने में आकर लिखित शिकायत दर्ज कराता है, तो पुलिस मामले की जांच कर उचित कानूनी कार्रवाई करेगी।

पटना में बंटी किडनैपिंग-मर्डर केस के मुख्य आरोपी का एनकाउंटर

पुलिस की गाड़ी देखते ही फायरिंग की, पटना एसएसपी बोले- नेपाल भगाने की तैयारी में था

एजेंसी, पटना

पटना के बंटी यादव अपहरण-मर्डर केस का मुख्य आरोपी और कुख्यात अपराधी रवीश उर्फ बसिया गुरुवार को पटना में पुलिस मुठभेड़ में घायल हो गया। बुद्धा कॉलोनी थाना क्षेत्र में एलएनटी से पूरब बांस घाट जाने वाले कच्चे रास्ते पर सुबह करीब 3 बजे ये मुठभेड़ हुई। आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग की। गोली पुलिस की कार की बोनट पर लगी। जिसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें गोली रवीश के दाहिने पैर में लगी। उसे इलाज के लिए PMCH में भर्ती कराया गया है। कुल 2 राउंड फायरिंग हुई है। एक राउंड पुलिस ने की। एक राउंड रवीश ने की। मौके से एक खोखा, एक कारतूस, एक देसी कट्टा और मोबाइल फोन मिला है। पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने बताया कि रवीश नेपाल भागने की तैयारी में था। उसके और मारे गए बंटी के बीच वर्चस्व की लड़ाई थी।

पुलिस पर फायरिंग, बोनट पर लगी गोली: बंटी यादव की किडनैपिंग और मर्डर केस में पटना पुलिस रवीश को खोज रही थी। सूचना मिली थी कि रवीश एलएनटी घाट से

होते हुए पटना लौट रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम जैसे ही उस इलाके में पहुंची, तभी आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग के दौरान एक गोली कोतवाली थाना की सरकारी गाड़ी की बोनट पर लगी। हालांकि गाड़ी में मौजूद थाना प्रभारी (SHO) समेत अन्य पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए। इसके बाद पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लगी।

हत्या के बाद से था फरार: पुलिस के मुताबिक, बंटी यादव की हत्या के बाद से रवीश लगातार फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए कई दिनों से छापेमारी की जा रही थी। गुरुवार को उसके पटना आने की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने जाल बिछाया, जिसके दौरान मुठभेड़ हुई। 2 राउंड गोली चली है। रवीश पर पटना के कई थानों में लूट-रंगदारी और हत्या के प्रयास जैसे संगीन मामले दर्ज हैं।

घटनास्थल से हथियार बरामद: मुठभेड़ के बाद घटनास्थल से आरोपी की चप्पल और एक देसी कट्टा बरामद किया गया है। पुलिस ने वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने के लिए FSL (फॉरेंसिक साइंस लैब) की टीम को भी मौके पर बुलाया है। घटनास्थल पर लॉ एंड ऑर्डर ASP कृष्ण मुरारी प्रसाद, DIU, SIU और कोतवाली थाना पुलिस की टीम मौजूद रही। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है और बरामद हथियार की भी फॉरेंसिक जांच कराई जाएगी। पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने कहा, 'बंटी और रवीश के बीच में आपसी वर्चस्व की लड़ाई चल रही थी। शराब के कारोबार में हाल मैं ही रवीश जेल से छूट कर आया था। उसे लग रहा था कि बंटी के चलते उसे जेल जाना पड़ा है। इसे लेकर दोनों में विवाद चल रहा था। इन दोनों के बीच बातचीत के भी एविडेंस मिले हैं। फिलहाल इस मामले में चार आरोपी फरार हैं। जिनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी चल रही है। रवीश के खिलाफ अलग-अलग थानों में पांच आपराधिक मामले दर्ज हैं।'

रील बनाने के लिए बिहार सरकार देगी 3 लाख इनाम

एजेंसी, पटना

बिहार सरकार की ओर से हर साल श्रावणी मेला का आयोजन किया जाता है। इस साल भी पर्यटन विभाग तैयारियों में लगा हुआ है। श्रावणी मेला 2026 को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने के लिए बिहार सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। पर्यटन विभाग ने 'एक इंफ्लुएंसर की नजर से' नाम से विशेष अभियान शुरू किया है। इसके तहत श्रावणी मेले की आस्था, संस्कृति और पर्यटन को दर्शाने वाले श्रेष्ठ कंटेंट के लिए 3 लाख रुपये तक के नकद पुरस्कार दिए जाएंगे। इसमें देशभर के कंटेंट क्रिएटर, ट्रैवल ब्लॉगर, फोटोग्राफर, वीडियोग्राफर और रील मेकर भाग ले सकते हैं।

कांवड़ यात्रा से लेकर बाबाधाम मंदिर की दिखेगी झलक: पर्यटन विभाग की ओर से जारी विज्ञापन में प्रतिभागियों से कहा गया है कि वे कांवड़ यात्रा, बाबाधाम मंदिर, धार्मिक परंपराएं, सेवा शिविर, लोक संस्कृति, प्राकृतिक सुंदरता और श्रद्धालुओं की आस्था को रचनात्मक तरीके से अपने कंटेंट में दिखाएं। बिहार टूरिज्म की वेबसाइट पर जाकर रजिस्टर करके अपलोड करना होगा।

श्रावणी मेला पर बनाना होगा वीडियो, कांवड़ यात्रा से लेकर बाबाधाम मंदिर की दिखानी होगी झलक

इस प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार दिया जाएगा। पर्यटन विभाग चाहता है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए श्रावणी मेले की भव्यता अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे। इस पहल का सबसे अधिक लाभ बांका जिले के कंटेंट क्रिएटर्स और स्थानीय लोगों को मिलने की उम्मीद है। सुल्तानगंज से देवघर तक करीब 105 किलोमीटर लंबी कांवड़ यात्रा में लगभग 55 किलोमीटर का रास्ता बांका जिले से होकर गुजरता है। अमरपुर, शंभूगंज, कटोरिया, बेलहर और चांदन जैसे क्षेत्रों में हर साल लाखों कांवरिये पहुंचते हैं।

पटना जंक्शन के रिमॉडलिंग प्रोजेक्ट को मंजूरी, दिसंबर से काम, 493 करोड़ खर्च

एजेंसी, पटना

पटना जंक्शन के रिमॉडलिंग प्रोजेक्ट को मंजूरी मिल गई है। करीब 493 करोड़ की लागत से दिसंबर तक काम शुरू होगा। इसके तहत मुख्य बिल्डिंग, सर्कुलेटिंग एरिया और पार्किंग को स्मार्ट और हाइटेक बनाया जाएगा। पहले फेज में पार्सल बिल्डिंग का निर्माण होगा। उससे पहले करबिगहिया स्थित न्यू पार्किंग में अस्थायी शेड बना कर पार्सल बुकिंग की अस्थायी व्यवस्था होगी।

पार्सल बिल्डिंग बनने के बाद उसमें जनरल और रिजर्वेशन काउंटर को शिफ्ट (अस्थायी व्यवस्था) किया जाएगा। इसके बाद जनरल और रिजर्वेशन टिकट हॉल को तोड़ा जाएगा। इसके बनने के बाद जंक्शन की मेन बिल्डिंग टूटेगी। पूरा प्रोजेक्ट वर्ष 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य है।

अभी से दोगुने चौड़े होंगे एफओबी अभी से दोगुने चौड़े फुट ओवरब्रिज का निर्माण होगा।

पहले फेज में पार्सल बिल्डिंग बनेगी, तब तक करबिगहिया में होगा काम

चौड़ाई 12 मीटर होगी। पुराने की चौड़ाई करीब 6-8 मीटर है। अभी एफओबी पर भीड़ अधिक होती है। धक्का-मुक्की की स्थिति रहती है। इसलिए चौड़ाई बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। प्लेटफॉर्म संख्या 1 से 10 तक दो नए फुट ओवरब्रिज बनेंगे। इनमें बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए एस्केलेटर और लिफ्ट लगेंगे। पार्किंग एरिया दूध मार्केट से जीपीओ के पास मीठापुर आरओबी के नीचे तक फैला होगा। कार और बाइक के लिए अलग-अलग जोन होंगे। क्षमता 4,000 से अधिक वाहनों की होगी।

टेंट व्यवसायी की संदिग्ध मौत, पत्नी ने महिला मित्र और उसके भाई पर हत्या का आरोप लगाया

एजेंसी, पटना

पटना सिटी के आलमगंज थाना क्षेत्र के रहने वाले टेंट व्यवसायी मनोज कुमार की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पत्नी कंचन देवी ने हत्या की आशंका जताते हुए आलमगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने अपने पति की महिला मित्र नीतू देवी और उसके भाई पर सुनियोजित हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। कंचन देवी ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया कि उनके पति मनोज कुमार का महारानी कॉलोनी निवासी नीतू देवी से लगातार संपर्क था। उनका आरोप है कि इसी संबंध को लेकर साजिश रचकर उनके पति की हत्या की गई और बाद में शव को ठिकाने लगा दिया गया।

शादी समारोह में जाने की बात कहकर निकले थे घर से

: मृतक मनोज कुमार (50 वर्ष) चैलीटाल, काजीबाग के निवासी थे और डेकोरेटर का व्यवसाय करते थे। परिजनों के अनुसार, 13 जुलाई की सुबह करीब 7 बजे वह एक शादी समारोह के इवेंट के सिलसिले में अपनी स्कूटी से घर से निकले थे। जब देर शाम तक घर नहीं लौटे तो परिजनों ने उनके मोबाइल पर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन फोन स्विच ऑफ मिला। इसके बाद परिजनों ने अपने स्तर पर उनकी खोजबीन शुरू की।

महिला मित्र के घर पहुंचे तो भगा दिया गया: खोजबीन के दौरान परिजनों को जानकारी मिली कि मनोज कुमार का महारानी कॉलोनी स्थित एक घर में रहने वाली महिला नीतू देवी के यहां आना-जाना था। जब परिवार के लोग वहां पहुंचे और जानकारी लेने का प्रयास किया, तो मकान मालिक राहुल चौरसिया ने उन्हें डांट-फटकार कर भगा दिया। इसके बाद परिजनों का शक और गहरा गया।

◆ जलकुंभी के बीच मिला शव

जलकुंभी के बीच मिला शव, सड़क किनारे मिली स्कूटी: बुधवार शाम पुलिस ने फतुहा इलाके में जलकुंभी के बीच से मनोज कुमार का शव बरामद किया था। वहीं, उनकी स्कूटी तीन दिनों से सड़क किनारे लावारिस हालत में खड़ी मिली थी, जिसे पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है।

हर पहलू से जांच में जुटी पुलिस: पत्नी कंचन देवी का आरोप है कि उनके पति की सुनियोजित तरीके से हत्या कर शव को ठिकाने लगाया गया है। उन्होंने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। परिजनों द्वारा लगाए गए आरोपों को भी गंभीरता से लिया गया है। पुलिस कॉल डिटेल रिकॉर्ड (CDR), सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की जांच कर रही है। साथ ही पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य वैज्ञानिक जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, ताकि मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच में जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संजय यादव हत्याकांड, छह दिन बाद भी गिरफ्तारी नहीं, नाराज परिवार और स्थानीय निकालेंगे कैंडल मार्च

एजेंसी, पटना

पटना के राघोपुर पंचायत के पूर्व मुखिया संजय यादव की हत्या का मामला तूल पकड़ते जा रहा है। हत्याकांड के छह दिन बाद भी किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने से लोगों में नाराजगी है। गुरुवार को परिजनों और स्थानीय लोगों की ओर से कैंडल मार्च निकाला जाएगा। कैंडल मार्च राघोपुर दो मोहनी से शुरू होकर बिहटा चौक तक जाएगा। इसमें मृतक के बेटे सोनल कुमार, छोटे भाई मनोज यादव समेत बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल होंगे।

बेटे ने लगाया साजिश का आरोप: मृतक के बेटे सोनल कुमार ने आरोप लगाया कि उनके पिता की हत्या सुनियोजित साजिश के तहत की गई। उन्होंने कहा कि घटना के छह दिन बीत जाने के बावजूद

पुलिस किसी भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। सोनल कुमार ने चेतावनी दी कि यदि जल्द न्याय नहीं मिला तो आने वाले दिनों में बिहटा में इससे भी बड़ा आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने सरकार और प्रशासन से मांग की कि हत्यारों को जल्द गिरफ्तार कर कानून के तहत कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए। उन्होंने बताया कि घटना वाले दिन उनके पिता कोर्ट में सरेंडर करने वाले थे। इसकी जानकारी उन्होंने एक दिन पहले फोन पर दी थी, लेकिन घर पहुंचने से पहले ही उनकी हत्या कर दी गई।

मंत्री रामकृपाल यादव ने परिजनों से की मुलाकात: कैंडल मार्च से एक दिन पहले बुधवार को

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम एसआईटी की जांच जारी

बिहार सरकार के मंत्री रामकृपाल यादव मृतक के घर पहुंचे और परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने घटना की जानकारी लेने के बाद पटना के SSP और पश्चिम सिटी एसपी से फोन पर बात कर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित करने का निर्देश देने की बात कही।

SIT कर रही मामले की जांच: पुलिस का कहना है कि मामले की जांच विशेष जांच दल (SIT) कर रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, विभिन्न पहलुओं पर जांच जारी है और जल्द ही मामले का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार करने का दावा किया गया है।

पटना में 1715 पुड़िया स्मैक के साथ 3 तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना के पश्चिमी क्षेत्र में सूखे नशे के कारोबार के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। नेउरा थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर मधुपुर गांव में छापेमारी कर दो महिलाओं और एक पुरुष तस्कर को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान तस्करों के पास से 1715 पुड़िया स्मैक और 4250 नगद रुपया भी बरामद किया गया है। साथ एक ऑटो जब्त किया गया है, जिसका इस्तेमाल कथित तौर पर नशे की तस्करी में किया जा रहा था। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार रात सूचना मिली थी कि एक ऑटो से मधुपुर गांव में स्मैक की सप्लाई की जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। छापेमारी के दौरान पुलिस को देखकर ऑटो चालक भागने का

ड्राइवर सहित दो महिलाएं पकड़ी गई, ऑटो की आड़ में चला रहे थे नशा कारोबार

प्रयास करने लगा, लेकिन पुलिस ने उसे मौके पर ही पकड़ लिया। इसके बाद ऑटो में सवार दो महिलाओं और ड्राइवर की तलाशी ली गई। तलाशी में उनके पास से कुल 1715 पुड़िया स्मैक बरामद हुई। पुलिस के मुताबिक, बरामद स्मैक का वजन करीब 1200 ग्राम है।

पीएमसीएच में 120-बेड का हाईटेक आईसीयू सितंबर तक होगा शुरू

एजेंसी, पटना

पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल (पीएमसीएच) में गंभीर मरीजों के इलाज की सुविधा जल्द ही मजबूत होगी। अस्पताल की नई बिल्डिंग में तैयार हो रहा 120 बेड का अत्याधुनिक इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू) सितंबर तक मरीजों के लिए शुरू होने की उम्मीद है। इस नए आईसीयू के शुरू होने से पीएमसीएच की क्रिटिकल केयर क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इसका सीधा लाभ दुर्घटना, हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक, मल्टी ऑर्गन फेलियर या अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों को मिलेगा, जिन्हें तत्काल गहन चिकित्सा की आवश्यकता होती है। इससे मरीजों को समय पर आईसीयू बेड उपलब्ध हो सकेगा और उन्हें दूसरे अस्पतालों में रेफर करने की आवश्यकता भी कम होगी। वर्तमान में, पीएमसीएच के विभिन्न

विभागों में 250 से अधिक आईसीयू बेड संचालित हैं। इनमें इमरजेंसी में 60 बेड, सर्जरी, ऑर्थोपेडिक्स और न्यूरोसर्जरी विभागों में लगभग 85 बेड, शिशु रोग विभाग में 58 बेड और स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग में 36 बेड शामिल हैं। मेडिसिन विभाग में भी 60 आईसीयू बेड की सुविधा उपलब्ध है। 120 बेड का नया आईसीयू शुरू होने के बाद अस्पताल की कुल क्रिटिकल केयर क्षमता में महत्वपूर्ण वृद्धि होगी। भवन निर्माण का कार्य लगभग पूरा हो चुका है, और आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की स्थापना तथा तकनीकी परीक्षण अंतिम चरण में है।

बेतिया समेत 6 जिलों में बारिश, रक्सौल में सड़कें लबालब, नेपाल में बारिश से उफान पर कोसी

एजेंसी, पटना

बगहा, बेतिया, रक्सौल, सीतामढ़ी और नालंदा में बारिश हुई है। वहीं, दोपहर बाद औरंगाबाद में तेज बारिश हुई। नेपाल में हो रही बारिश से कोसी उफान पर चल रही है। मौसम विभाग ने आज 8 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इधर, रातभर हुई बारिश से रक्सौल में सड़कें झील में तब्दील हो गई हैं, वहीं बगहा के सिसई और चिउरही पंचायत के करीब 300 घरों के लोग धनहा–रतवल मुख्य मार्ग किनारे तंबू में रहने को मजबूर हैं। मौसम विभाग ने 16 और 17 जुलाई को किशनगंज, कटिहार, पश्चिम चंपारण और अररिया में भारी बारिश की संभावना जताई है। वहीं सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया, सुपौल समेत कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट है।

अबतक 41 प्रतिशत कम बारिश: मौसम विभाग ने राज्य के कई हिस्सों में 30

से 40Kmph की रफ्तार से हवा चलने की संभावना जताई है। वहीं, पटना समेत दक्षिण बिहार में बादल छाए रहेंगे। कुछ इलाकों में हल्की बारिश की संभावना है। बिहार में मानसून की रफ्तार धीमी है। दक्षिण बिहार के कई जिले सूखे जैसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, जबकि उत्तर बिहार में लगातार बारिश हो रही है। 14 जुलाई तक राज्य में सामान्य से 41% कम बारिश दर्ज की गई है। बिहार में बुधवार को बिजली गिरने

बगहा में 300 परिवार टेंट में रहने को मजबूर

से एक बच्चे समेत 3 लोगों की मौत हो गई। गयाजी में स्कूल जा रहे 3 छात्रों पर आकाशीय बिजली गिरी। इसमें एक की मौत हो गई है। 2 छात्रों की हालत गंभीर है। दोनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं, समस्तीपुर में दो अलग-अलग जगहों पर आकाशीय बिजली की चपेट में आने से महिला समेत दो की मौत हो गई। घटना में एक बच्चा गंभीर रूप से झुलस है। घटना सरायरंजन प्रखंड के लगमा और रायपुर बुजुर्ग गांव की है। बुधवार को पटना, बगहा, पूर्वी चंपारण, बेगूसराय, समस्तीपुर, गयाजी,जहानाबाद, सीतामढ़ी, पूर्णिया में सुबह तेज बारिश हुई। वहीं, 37.3 डिग्री के साथ कैमूर सबसे गर्म जिला रहा। पटना का तापमान 35 डिग्री दर्ज किया गया।

संक्षिप्त समाचार

हरसिद्धि पुलिस ने 50 लीटर देसी चुलाई शराब के साथ वांछित कारोबारी को दबोचा

बीएनएम@ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण के हरसिद्धि थाना पुलिस ने शराब तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो मामलों में वांछित शराब कारोबारी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान हरसिद्धि थाना क्षेत्र के दामोवृत्ति गांव निवासी गोलू कुमार, पिता रामकिशुन साहनी के रूप में हुई है। उसके पास से 50 लीटर देसी चुलाई शराब बरामद की गई है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी हरसिद्धि थाना के दो मामलों में फरार चल रहा था। इनमें कांड संख्या 678/25 (दिनांक 08 अक्टूबर 2025) तथा कांड संख्या 785/25 (दिनांक 27 नवंबर 2025) शामिल हैं। दोनों मामलों में बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम की धारा 30(ए) के तहत प्राथमिकी दर्ज है। उन्होंने बताया कि आरोपी का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके विरुद्ध हरसिद्धि थाना कांड संख्या 786/25 (दिनांक 29 नवंबर 2025) बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम की धारा 30(ए) के तहत पूर्व से मामला दर्ज है। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने कहा, "शराब के अवैध कारोबार में संलिप्त लोगों के विरुद्ध हरसिद्धि पुलिस का अभियान लगातार जारी है। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ की जा रही है तथा विधिसम्मत अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। किसी भी कीमत पर अवैध शराब के कारोबार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।"

गुप्त सूचना पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, चोरी की बाइक के साथ शातिर गिरफ्तार

बीएनएम@ मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले के पिपराकोठी थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए चोरी की एक मोटरसाइकिल बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान राकेश यादव उर्फ दारा (पिता- स्व. नगीना राय), निवासी मकड़ी महुअवा, थाना पिपराकोठी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार सूचना मिली थी कि आरोपी ने अपने घर में चोरी की मोटरसाइकिल छिपाकर रखी है। सूचना के सत्यापन के बाद थानाध्यक्ष के नेतृत्व में छापेमारी की गई। तलाशी के दौरान एक मोटरसाइकिल बरामद हुई। एचएचडी मशीन से जांच में मोटरसाइकिल का रजिस्ट्रेशन नंबर और चेसिस नंबर अलग-अलग पाए गए। जांच में यह भी सामने आया कि बरामद बाइक कर्नाटक के यादगीर नगर थाना कांड संख्या 44/24 में चोरी की दर्ज है। पुलिस ने मोटरसाइकिल जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार गिरफ्तार आरोपी पर पहले से भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें चोरी, रंगदारी, आर्म्स एक्ट और सड़क दुर्घटना से जुड़े कांड शामिल हैं। इस कार्रवाई में पिपराकोठी थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार सिंह, पुलिस अवर निरीक्षक पूजा कुमारी, राजवीर, आदित्य कुमार भारद्वाज सहित अन्य पुलिसकर्मी एवं सशस्त्र बल शामिल रहे।

भाग–2: हरसिद्धि अंचल में जमीन की कागजी खेल पहुंचा जिलाधिकारी के पास

तत्कालीन सीओ 2024 में पर्चा बताया था फर्जी, वर्तमान सीओ ने 2025 में उसी आधार पर बना दी जमाबंदी

बीएनएम@ सागर सूरज

रैयतदार ने की जिलाधिकारी को आवेदन देकर निष्पक्ष जांच की मांग

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण के हरसिद्धि अंचल में रैयती भूमि की पर्चा के आधार पर बनाये गये जमाबंदी का विवाद गहराने लगा है।

बताया गया कि उज्जैन लोहियार गायघाट निवासी त्रिभुवन चौबे ने जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव को आवेदन देकर आरोप लगाया है कि उनकी पैतृक रैयती भूमि का फर्जी पर्चा के आधार पर अवैध दाखिल-खारिज कर दूसरे व्यक्ति के नाम जमाबंदी कायम कर दी गई।

उन्होंने पूरे मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

आवेदन के अनुसार थाना संख्या-133, खाता संख्या-163 एवं प्लॉट संख्या-2394 की भूमि वर्ष 1967 में विधिवत निबंधित हुई थी और वर्षों से उनके परिवार के नाम जमाबंदी एवं लगान रसीद जारी होती रही है। आरोप है कि फर्जी पर्चा के आधार पर नियमों की अनदेखी कर दूसरे व्यक्ति के पक्ष में जमाबंदी कर दी गई।

आवेदक ने दावा किया है कि तत्कालीन अंचलाधिकारी ने 30 नवंबर 2024 को जारी प्रतिवेदन में संबंधित पर्चा को अवैध बताया था।

इसके बावजूद वर्ष 2025 में उसी पर्चा के आधार पर दाखिल-खारिज कर दिए जाने पर उन्होंने गंभीर सवाल उठाए हैं।

आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि वर्ष 1971 के नाम पर बैकडेट में अभिलेख तैयार किए गए तथा रजिस्टर-2 के रिक्त पड़े जमाबंदी संख्या-15 पर बाद में प्रविष्टियां कर नई जमाबंदी कायम कर दी गई। साथ ही अमीन की रिपोर्ट, कब्जे के निर्धारण और राजस्व अभिलेखों में भी अनियमितता का आरोप लगाया गया है।

त्रिभुवन चौबे ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि हरसिद्धि अंचल मे इस अवैध कार्यों के लिए मोटी रकम की लेन देन हुई है।

श्री चौबे ने मांग की है कि मामले की जांच हरसिद्धि अंचल से बाहर के किसी वरीय जिला स्तरीय अधिकारी अथवा अपर समाहर्ता (राजस्व) के नेतृत्व में गठित स्वतंत्र जांच समिति से कराई जाए। साथ ही संबंधित दाखिल-खारिज आदेश, पर्चा, रजिस्टर-2, खतियान, नक्शा एवं अन्य सभी अभिलेखों की जांच कर दोषियों के विरुद्ध विभागीय एवं कानूनी कार्रवाई की जाए।

'एक शाम माही बाबू के नाम' मुशायरा सह कवि सम्मेलन में सजी अदब की महफिल, देर रात तक गूंजती रही 'वाह-वाह'

बीएनएम@ मोतिहारी/ढाका

बिहार यूथ ऑर्गेनाइजेशन, ढाका के तत्वावधान में आयोजित "एक शाम माही बाबू के नाम" मुशायरा सह कवि सम्मेलन भव्य, गरिमामय एवं यादगार माहौल में संपन्न हुआ। साहित्य, संस्कृति और सामाजिक सौहार्द को समर्पित इस आयोजन में दूर-दराज़ से आए कवियों और शायरों ने अपनी उत्कृष्ट रचनाओं से ऐसा समां बांधा कि श्रोता देर रात तक कार्यक्रम में डटे रहे और पूरा सभागार तालियों एवं "वाह-वाह" की गूंज से गुलजार रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ सिकरहना अनुमंडल पदाधिकारी विजय कुमार एवं फायर ऑफिसर रंजीत कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मुख्य अतिथि विजय कुमार ने कहा कि साहित्य समाज को जोड़ने का सबसे सशक्त माध्यम है। ऐसे आयोजन सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक चेतना और युवा पीढ़ी को सकारात्मक दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वहीं विशिष्ट अतिथि रंजीत कुमार ने बिहार यूथ ऑर्गेनाइजेशन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम समाज में भाईचारे, आपसी सौहार्द और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करते हैं। मुशायरे में विभिन्न क्षेत्रों से आए कवियों एवं शायरों ने ग़ज़ल, नज़्म, गीत और कविताओं की शानदार प्रस्तुतियां देकर श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। हर प्रस्तुति पर सभागार तालियों की गड़गड़ाहट और "वाह-वाह" की गूंज से देर रात तक गूंजता रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमी, गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं युवाओं की उपस्थिति रही, जिससे आयोजन की गरिमा और बढ़ गई। समारोह के समापन पर बिहार यूथ ऑर्गेनाइजेशन के पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों, कवियों, शायरों, सहयोगियों एवं उपस्थित श्रोताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। आयोजन को सफल बनाने में अब्दुस्समद, आरिफ हयात, अरशद आलम, दानिश अनवर, रैयान नूर, तारिक अनवर, अफाक अहमद, अमजद अली, नूर आलम आजाद, वलीउल्लाह, डॉ. परवेज आलम, सदरे आलम, इमरान, जाहिद, मुस्ताफिज, कमर खान, जमील अख्तर सहित बिहार यूथ ऑर्गेनाइजेशन की पूरी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

15 अगस्त तक भूमिहीनों को मिलेगी जमीन, लंबित म्यूटेशन पर होगी कार्रवाई: डीएम

बीएनएम@ मोतिहारी

पूर्वी चंपारण के जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में स्पष्ट कहा कि अभियान बसेरा के तहत भूमिहीन परिवारों को भूमि उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी अंचल अधिकारियों और भूमि सुधार उपसमाहर्ताओं (डीसीएलआर) को निर्देश दिया कि 15 अगस्त तक चिन्हित भूमिहीनों को भूमि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया हर हाल में पूरी करें। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि अभियान बसेरा से संबंधित सभी भूमि अभिलेख एक सप्ताह के भीतर जिला राजस्व शाखा को उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने डीसीएलआर को अंचलों का नियमित निरीक्षण करने और राजस्व कार्यों की लगातार समीक्षा करने का निर्देश दिया। राजस्व महाअभियान की समीक्षा में चिरैया, घोड़ासहन, मोतिहारी, हरसिद्धि और ढाका अंचलों में प्राप्त आवेदनों के निष्पादन की स्थिति संतोषजनक नहीं पाई गई। इस पर संबंधित अंचल अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर सभी लंबित आवेदनों का निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने लंबित म्यूटेशन मामलों पर नाराजगी जताते हुए कहा कि आवेदन अस्वीकृत करने का स्पष्ट कारण दर्ज करना अनिवार्य होगा। बिना उचित कारण आवेदनों को लौटाने या अनावश्यक रूप से लंबित रखने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी अंचल अधिकारियों को आम लोगों के साथ बेहतर व्यवहार करने तथा उनके आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में डिजिटल जमाबंदी सुधार से जुड़े मामलों का भी शीघ्र निपटारा करने को कहा गया। वहीं बाढ़ पूर्व तैयारियों की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने तटबंधों का नियमित निरीक्षण, कटाव वाले क्षेत्रों पर विशेष निगरानी, शरण स्थलों का सत्यापन, लाइफ जैकेट की उपलब्धता तथा नावों के सुरक्षित संचालन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बाढ़ सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। श्रावणी मेले की तैयारियों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को कांवर पथ की मरम्मत, डाक बम श्रद्धालुओं के लिए अलग व्यवस्था तथा आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। भू-अर्जन परियोजनाओं की समीक्षा में रक्सौल एयरपोर्ट के लिए अधिग्रहित भूमि के रैयतों को शीघ्र मुआवजा भुगतान करने तथा एलपीसी एवं अन्य अभिलेख तत्काल उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। वहीं 139W अरेराज-केसरिया पथ परियोजना के अंतर्गत अरेराज, पहाड़पुर, हरसिद्धि, संग्रामपुर और केसरिया के अंचल अधिकारियों को 15 दिनों के भीतर रैयतों का भुगतान सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया। आपूर्ति विभाग की समीक्षा में जिलाधिकारी ने खाद्यान्न का समय पर उठाव एवं वितरण सुनिश्चित करने, नए राशन कार्ड जारी करने, केवाईसी, आधार सीडिंग तथा 'परख' ऐप के माध्यम से नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिंहा, सभी अनुमंडल पदाधिकारी, डीसीएलआर, अंचल अधिकारी, राजस्व अधिकारी तथा अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

साइबर अपराध से बचाव का सबसे बड़ा हथियार जागरूकता, महिला सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता: एएसपी प्रीतिश कुमार व कुमारी प्रियंका

बीएनएम@ मोतिहारी

डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों और महिलाओं की सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से राधाकृष्ण सिकरिया बी.एड. कॉलेज के सभागार में "साइबर सुरक्षा एवं महिला सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने छात्र-छात्राओं को साइबर अपराधों से बचाव, ऑनलाइन सुरक्षा, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा महिला सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज के अध्यक्ष डॉ. शंभू नाथ सिकरिया, सचिव यमुना कुमार सिकरिया, साइबर एएसपी प्रीतिश कुमार, एएसपी सह मुफस्सिल थाना प्रभारी कुमारी प्रियंका, साइबर इंस्पेक्टर मनीष कुमार, बैंक ऑफ इंडिया के मंटू कुमार तथा प्राचार्या प्रीति दुबे ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद कॉलेज प्रबंधन की ओर से सभी अतिथियों को पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। साइबर एएसपी प्रीतिश कुमार ने कहा कि साइबर अपराध अब केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि गांव-कस्बों तक पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा कि साइबर ठग लोगों की छोटी-सी लापरवाही का फायदा उठाकर बैंक खातों से रकम निकाल लेते हैं। इसलिए किसी भी अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें, केवल विश्वसनीय स्रोतों से ही एप डाउनलोड करें और मोबाइल व कंप्यूटर को नियमित रूप से अपडेट रखें। उन्होंने साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करने और साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी। महिला सुरक्षा पर बोलते हुए एएसपी कुमारी प्रियंका ने कहा कि महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि जिले के सभी थानों में महिला हेल्प डेस्क संचालित हैं, जहां महिलाएं अपनी शिकायतें आसानी से दर्ज करा सकती हैं। उन्होंने छात्राओं से अपील की कि छेड़खानी, साइबर स्टॉकिंग, सोशल मीडिया पर उत्पीड़न या किसी भी प्रकार की प्रताड़ना की स्थिति में चुप न रहें, बल्कि तत्काल अपने अभिभावकों, शिक्षकों अथवा पुलिस को इसकी सूचना दें। साइबर इंस्पेक्टर मनीष कुमार ने कहा कि वर्तमान समय में साइबर अपराधी नए-नए तरीकों से लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि किसी भी परिस्थिति में अपना ओटीपी, बैंक खाता संख्या, एटीएम कार्ड नंबर, सीवीवी, यूपीआई पिन या इंटरनेट बैंकिंग पासवर्ड किसी के साथ साझा न करें। उन्होंने बताया कि बैंक या सरकारी एजेंसियां कभी भी फोन कर ऐसी गोपनीय जानकारी नहीं मांगती हैं। उन्होंने फर्जी कॉल, ऑनलाइन शॉपिंग फ्रॉड और नकली वेबसाइटों से सावधान रहने तथा केवल प्रमाणित प्लेटफॉर्म का ही उपयोग करने की सलाह दी। कार्यक्रम के अंत में कॉलेज के सचिव यमुना कुमार सिकरिया ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी हैं और भविष्य में भी लगातार आयोजित किए जाएंगे। कॉलेज के अध्यक्ष डॉ. शंभू नाथ सिकरिया ने कहा कि संस्था महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने बताया कि कॉलेज में गर्ल्स शूटिंग एकेडमी स्थापित करने की योजना पर कार्य चल रहा है, जिसके लिए जिला प्रशासन से एनओसी का आवेदन किया गया है। अनुमति मिलने के बाद 13 वर्ष से अधिक आयु की बालिकाओं को निशुल्क शूटिंग प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही छात्राओं को आत्मरक्षा के लिए कराटे प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराया जाएगा। कार्यक्रम में कॉलेज के शिक्षक, कर्मचारी, बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस दौरान विद्यार्थियों ने साइबर सुरक्षा एवं महिला सुरक्षा से जुड़े कई प्रश्न पूछे, जिनका अधिकारियों ने विस्तारपूर्वक उत्तर दिया।

मुख्य सड़कों से हटेगा अतिक्रमण, सड़क सुरक्षा को लेकर डीएम सख्त

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुपालन का निर्देश, दुर्घटना रोकने के लिए हॉटस्पॉट पर स्पीड ब्रेकर, साइनेज और कैमरे लगाने पर जोर

बीएनएम@ मोतिहारी

जिला सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने मुख्य सड़कों के किनारे हुए स्थायी एवं अस्थायी अतिक्रमण को हर हाल में हटाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाए तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सभी संबंधित विभाग समन्वय के साथ कार्रवाई करें। बैठक में पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात, नगर आयुक्त आशीष कुमार, सदर एसडीओ अरुण कुमार, जिला परिवहन पदाधिकारी निवेदिता कुमारी, एनएचएआई, एनएच, आरसीडी, ग्रामीण कार्य विभाग के अधिकारी एवं सभी संबंधित थाना प्रभारी उपस्थित रहे।बैठक में बताया गया कि एनएच कोटवा डिवीजन ने 600, एनएच मोतिहारी डिवीजन ने 500 तथा चकिया-केसरिया व मधुबन क्षेत्र में 55 लोगों को अतिक्रमण हटाने का नोटिस जारी किया है। पिपराकोठी ओवरब्रिज के नीचे ट्रैफिक चेक पोस्ट तैयार कर ली गई है, जहां जल्द ही ट्रैफिक पुलिस की तैनाती होगी। डीएम ने अवैध पार्किंग के खिलाफ नियमित अभियान चलाने, छतौनी में सर्विस रोड का निर्माण शीघ्र पूरा करने तथा सड़क किनारे गड्ढों को तत्काल भरकर मार्ग को मोटरेबल बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि लापरवाही के कारण दुर्घटना होने पर संबंधित एजेंसी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। सुगौली में मुख्य सड़क पर लगने वाले सब्जी बाजार को अन्यत्र स्थानांतरित करने तथा बंजरिया थाना के पास जब्त वाहनों को नए थाना परिसर में शिफ्ट करने का भी निर्देश दिया गया। वहीं मोतीझील मरीन ड्राइव से जुड़ने वाली गलियों पर दुर्घटना रोकने के लिए स्पीड ब्रेकर लगाने के निर्देश आरसीडी को दिए गए। सड़क दुर्घटनाओं की समीक्षा में बताया गया कि जनवरी से 31 मई 2026 तक जिले में 213 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 176 लोगों की मौत तथा 98 लोग घायल हुए। डीएम ने दुर्घटना संभावित स्थलों पर रंबल स्ट्रिप, साइनेज, स्पीड कैमरा, ब्लिंकिंग लाइट और स्पीड ब्रेकर लगाने के साथ सभी मृतकों का विवरण i-RAD पोर्टल पर दर्ज करने का निर्देश दिया, ताकि पीड़ित परिवारों को समय पर मुआवजा मिल सके। बैठक के अंत में ग्रामीण कार्य विभाग के अभियंताओं को सड़कों का नियमित निरीक्षण, मरम्मत कार्य में तेजी लाने और एक सप्ताह के भीतर सड़क फिटनेस प्रमाणपत्र उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। साथ ही सभी थाना प्रभारियों को राहबीर (गुड समेरिटन) की सूची शीघ्र भेजने को कहा गया, ताकि स्वतंत्रता दिवस समारोह में उन्हें सम्मानित किया जा सके।

छतौनी में जाम से निजात को प्रशासन सख्त, मुख्य पथ का डीएम-एसपी ने किया निरीक्षण

बीएनएम@ मोतिहारी

जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव और पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने गुरुवार को नगर आयुक्त आशीष कुमार, सदर एसडीओ अरुण कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी दिलीप कुमार तथा एनएच डिवीजन मोतिहारी के परियोजना निदेशक के साथ छतौनी चौक एवं आसपास के मुख्य पथ का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि छतौनी के आसपास मुख्य सड़क पर ऑटो सहित छोटे वाहनों का ठहराव नहीं होने दिया जाए, क्योंकि इससे आए दिन जाम की समस्या उत्पन्न होती है। उन्होंने सदर एसडीओ और एसडीपीओ को क्षेत्र का नियमित निरीक्षण करने का निर्देश दिया। वहीं, एनएच डिवीजन के परियोजना निदेशक को निर्माणाधीन पुल के समीप सर्विस रोड को जल्द मोटरेबल बनाने तथा सड़क पर बने गड्ढों की तत्काल मरम्मत कराने का निर्देश दिया, ताकि दुर्घटनाओं की आशंका को रोका जा सके।

मेहसी के ऐतिहासिक सीप बटन उद्योग को नई उड़ान, पुनर्जागरण के सूत्रधार बने एम.डी. वसीम हैदर

बीएनएम@ मोतिहारी

सरकारी प्रशिक्षण, आधुनिक डिज़ाइन और युवाओं की भागीदारी से विलुप्तप्राय हस्तशिल्प को मिली नई पहचान, रोजगार के खुले नए द्वार

कभी विश्व पटल पर अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाला पूर्वी चंपारण के मेहसी का ऐतिहासिक सीप बटन उद्योग बीते कुछ वर्षों से अस्तित्व के संकट से जूझ रहा था। वर्ष 1905 से चली आ रही इस पारंपरिक शिल्प विरासत पर प्लास्टिक बटन और विदेशी उत्पादों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने गहरा असर डाला। इसके परिणामस्वरूप कारीगरों की आजीविका प्रभावित हुई और नई पीढ़ी इस पुश्तैनी कला से लगातार विमुख होती चली गई। ऐसे चुनौतीपूर्ण दौर में मेहसी के युवा शिल्पकार एम.डी. वसीम हैदर ने इस ऐतिहासिक उद्योग को पुनर्जीवित करने का संकल्प लिया। उन्होंने न केवल स्वयं इस परंपरागत शिल्प को संरक्षित किया, बल्कि स्थानीय युवाओं और कारीगरों को प्रशिक्षण देकर इसे स्वरोजगार का सशक्त माध्यम बनाने की दिशा में उल्लेखनीय पहल की। इस परिवर्तनकारी अभियान की शुरुआत वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार तथा उपेन्द्र महारथी शिल्प अनुसंधान संस्थान, पटना के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित गुरु-शिष्य हस्तशिल्प प्रशिक्षण कार्यक्रम से हुई। इस कार्यक्रम में एम.डी. वसीम हैदर एवं सदाफ निगार ने मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रतिभागियों को सीप शिल्प की मूल तकनीक, डिज़ाइन विकास और गुणवत्तापूर्ण उत्पाद निर्माण का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रशिक्षण के बाद अनेक युवाओं ने इस पारंपरिक कला को अपनाते हुए स्वरोजगार की नई राह चुनी। शिल्प संरक्षण और कौशल विकास के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान को देखते हुए सरकार ने एम.डी. वसीम हैदर का चयन डिज़ाइन एंड टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट वर्कशॉप (DTDW) के लिए मास्टर क्राफ्ट पर्सन के रूप में किया। विगत 2 फरवरी 2026 से प्रारंभ हुए 50 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में उन्होंने डिज़ाइनर सुनील कुशवाहा के साथ मिलकर प्रतिभागियों को आधुनिक डिज़ाइन, उन्नत तकनीक, गुणवत्ता संवर्धन, आकर्षक फिनिशिंग तथा बाजारोन्मुख उत्पाद निर्माण का प्रशिक्षण दिया। इन दोनों सरकारी कार्यक्रमों का उद्देश्य केवल हस्तशिल्प कौशल का विकास नहीं, बल्कि मेहसी के गौरवशाली सीप बटन उद्योग का पुनर्जागरण, स्थानीय युवाओं को रोजगार से जोड़ना तथा इस ऐतिहासिक विरासत को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाना रहा। इन प्रयासों के सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। स्थानीय कारीगर पारंपरिक सीप बटन के साथ-साथ सीप ज्वेलरी, होम डेकोर, सजावटी उत्पाद एवं अन्य आकर्षक हस्तशिल्प वस्तुओं का निर्माण कर रहे हैं। इससे रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं और मेहसी का ऐतिहासिक उद्योग एक बार फिर अपनी खोई हुई प्रतिष्ठा और चमक वापस पाने की दिशा में तेज़ी से अग्रसर है। स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि सरकार का सहयोग, नियमित प्रशिक्षण और प्रभावी विपणन व्यवस्था इसी प्रकार जारी रही, तो मेहसी का सीप उद्योग न केवल बिहार बल्कि देश के प्रमुख हस्तशिल्प उद्योगों में अपनी सशक्त पहचान स्थापित करेगा। मेहसी की इस ऐतिहासिक धरोहर को संरक्षित कर नई पीढ़ी तक पहुंचाने में एम.डी. वसीम हैदर की पहल आज शिल्प संरक्षण, नवाचार और आत्मनिर्भरता का प्रेरक उदाहरण बनकर उभर रही है। उनके प्रयास यह सिद्ध करते हैं कि समर्पण, कौशल और दूरदृष्टि के बल पर किसी भी विलुप्तप्राय परंपरा को पुनः नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

घर में चोरी करते दो शातिर चोर गिरफ्तार, नकदी, चांदी का पायल और बाइक बरामद

बीएनएम@ मोतिहारी। मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के जमला गांव में चोरी की घटना को अंजाम दे रहे दो शातिर चोरों को पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से चोरी की 5 हजार रुपये नकद, चांदी का एक जोड़ी पायल और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, 15 जुलाई की रात सूचना मिली कि जमला गांव निवासी रोहन श्रीवास्तव के घर में चोरी की वारदात हो रही है। सूचना मिलते ही सदर-02 के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी जितेश पांडेय के नेतृत्व में टीम गठित कर मौके पर छापेमारी की गई। वहां ग्रामीणों ने एक संदिग्ध को पकड़ रखा था। तलाशी के दौरान उसके पास से 5 हजार रुपये नकद, चांदी का एक जोड़ी पायल और एक मोटरसाइकिल बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मिठुन कुमार उर्फ छोटू कुमार (निवासी खड़गहिया, पश्चिम चंपारण) के रूप में हुई। उसके बयान के आधार पर छापेमारी कर दूसरे आरोपी कृष्णनंदन कुमार उर्फ मिठाई (निवासी जमला, मुफ्फसिल थाना क्षेत्र) को भी गिरफ्तार कर लिया गया। घटना के संबंध में वादी रोहन श्रीवास्तव के आवेदन पर मुफ्फसिल थाना कांड संख्या 467/26 दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार मिठुन कुमार उर्फ छोटू कुमार पर पश्चिम चंपारण के विभिन्न थानों में चोरी, लूट, आर्म्स एक्ट सहित 15 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं कृष्णनंदन कुमार उर्फ मिठाई के खिलाफ भी चोरी, लूट और उग्राही से जुड़े कई मामले पूर्व से दर्ज हैं। इस कार्रवाई में सदर-02 के एसडीपीओ जितेश पांडेय, मुफ्फसिल थानाध्यक्ष अमित कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक चंदन कुमार, सुभाष कुमार, रोहन कुमार तथा सशस्त्र बल के जवान शामिल रहे।

सड़क पर जलजमाव से परेशान ग्रामीण, प्रदर्शन कर जताया विरोध

बीएनएम@ बैरिया। बैरिया प्रखंड के मलाही टोला को पखनाहा बाजार से जोड़ने वाली जर्जर सड़क पर जलजमाव और बदहाली को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। गुरुवार को स्थानीय लोगों ने सड़क पर प्रदर्शन करते हुए प्रशासन से तत्काल निर्माण की मांग की। ग्रामीणों ने बताया कि बरसात के दौरान सड़क पर डेढ़ फीट तक पानी जमा हो जाने से आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाता है। इस बदहाल स्थिति के कारण स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है और आए दिन लोग फिसलकर चोटिल हो रहे हैं। विकास कुमार निषाद, मनोज कुमार, भुटी मास्टर और अर्जुन कुमार सहित बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि सड़क निर्माण की दिशा में शीघ्र ठोस पहल नहीं की गई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। स्थानीय निवासियों ने जन प्रतिनिधियों और संबंधित विभाग से अविलंब समस्या के समाधान की पुरजोर मांग की है।

प्रशांत किशोर को हम जानते ही नहीं: मांझी

केंद्रीय मंत्री ने एनडीए की मजबूती का भरा दम

बीएनएम@ पटना: बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के मद्देनजर बिहार की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। केंद्रीय मंत्री और हम पार्टी के संरक्षक जीतन राम मांझी ने पटना में मीडिया से मुखातिब होते हुए उपचुनाव और राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। मांझी ने भाजपा उम्मीदवार की जीत का पूर्ण विश्वास जताते हुए कहा कि एनडीए के सभी घटक दल एकजुट होकर चुनाव मैदान में हैं, जिसका सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेगा।उम्मीदवार चयन पर मांझी ने स्पष्ट किया कि भाजपा अपने समर्पित और अनुभवी कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाने की परंपरा का पालन करती है, जिसका उदाहरण नितिन नवीन को मिली राष्ट्रीय जिम्मेदारी है। इसी तर्ज पर बांकीपुर में भी संगठन के जमीनी कार्यकर्ता को टिकट दिया गया है। वहीं, प्रशांत किशोर के बारे में पूछे गए सवाल पर मांझी ने अनभिज्ञता जताते हुए संक्षिप्त जवाब दिया कि वे उन्हें जानते ही नहीं हैं। इस टिप्पणी के साथ उन्होंने इस विषय पर आगे कोई विस्तृत चर्चा करने से परहेज किया। मांझी का यह बयान बांकीपुर उपचुनाव में एनडीए की रणनीतिक एकजुटता और विपक्ष के प्रति उनके रुख को स्पष्ट करता है, जिससे क्षेत्र की राजनीतिक सरगर्मी और अधिक बढ़ने के आसार हैं।

प्रशांत किशोर पर लगा 'धंसुराज' का आरोप

विधानसभा चुनाव से पहले पोस्टरबाजी तेज

बीएनएम@ पटना: बिहार की राजधानी पटना में विधानसभा चुनाव से पूर्व राजनीतिक पारा चढ़ गया है। शहर की मुख्य सड़कों पर लगे पोस्टरों ने एक नई बहस को जन्म दिया है, जिसमें 'जन सुराज' और उसके संस्थापक प्रशांत किशोर पर तीखा प्रहार करते हुए उन्हें 'धंसुराज' संबोधित किया गया है। इन पोस्टरों में "के.सी. सिन्हा तो बस एक झांकी है, जमानत जब्त होना अभी बाकी है" जैसे नारों के जरिए प्रशांत किशोर के अभियान पर सीधा कटाक्ष किया गया है।दिलचस्प बात यह है कि इन पोस्टरों को किसने लगवाया है, इसकी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है और न ही इन पर किसी संगठन का नाम अंकित है। इस अज्ञात पोस्टरबाजी ने राजनीतिक गलियारों में अटकलों का बाजार गर्म कर दिया है। विश्लेषकों का मानना है कि चुनावी मौसम में यह प्रतिद्वंदियों पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने और जनमत को मोड़ने की एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा हो सकती है। फिलहाल, 'जन सुराज' की ओर से इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। जैसे-जैसे बिहार में चुनावी गतिविधियां तेज हो रही हैं, आरोप-प्रत्यारोप और पोस्टर युद्ध का यह सिलसिला और तीव्र होने के आसार हैं। यह घटनाक्रम आने वाले दिनों में और अधिक तीखी राजनीतिक बयानबाजी और पोस्टरबाजी की ओर संकेत कर रहा है।

छोटू हत्याकांड: मुख्य आरोपी गिरफ्तार

शव छिपाने में प्रयुक्त हाइड्रा मशीन बरामद

बीएनएम@ समस्तीपुर: विद्यापतिनगर पुलिस ने चर्चित ईशांत कुमार उर्फ छोटू हत्याकांड की गुत्थी सुलझाते हुए मुख्य आरोपी रंजीत कुमार सिंह को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, रंजीत ने पुरानी रंजिश के चलते अपने साथी चंदन सदा के साथ मिलकर छोटू की हत्या करने और सबूत मिटाने के लिए शव को दो बार दफनाने की बात स्वीकार की है।थानाध्यक्ष सूरज कुमार ने बताया कि आरोपी की निशानदेही पर शव को छिपाने में उपयोग की गई हाइड्रा मशीन और आरोपी का मोबाइल फोन जब्त कर लिया गया है। हत्या में प्रयुक्त चाकू और मृतक के मोबाइल की बरामदगी हेतु तारा पोखर में पुलिस द्वारा सघन तलाश की जा रही है। अन्य फरार आरोपियों की धर-पकड़ के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। गौरतलब है कि बंगराहा निवासी छोटू 10 जून को लापता हो गया था, जिसका शव करीब एक माह बाद 8 जुलाई को लखनपुर बधार स्थित खेत से बरामद हुआ था। पुलिस की इस कार्रवाई से स्थानीय लोगों में न्याय की उम्मीद जगी है।

तीसरी बार बिना सूचना गायब मिले शिक्षक

अभिभावकों में आक्रोश, स्पष्टीकरण तलब

बीएनएम@ बेतिया: पश्चिम चम्पारण के बैरिया प्रखंड स्थित राजकीय मध्य विद्यालय, लौकरिया में कार्यरत विशिष्ट शिक्षक अजय कुमार की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। उन पर बिना किसी पूर्व सूचना के विद्यालय से अनुपस्थित रहने का गंभीर आरोप है। मामला 26 जून 2026 का है, जब शिक्षक के कार्यस्थल से गायब रहने की शिकायत 'आत्मा' के प्रखंड अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी (BEO) हाफिजुर रहमान से की। शिकायतकर्ताओं का दावा है कि यह तीसरी बार है जब संबंधित शिक्षक बिना अनुमति के अनुपस्थित पाए गए हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस विभागीय कार्रवाई नहीं हुई है।इतना ही नहीं, निरीक्षण के दौरान विद्यालय के आदेश पंजी में 'ओवरराइटिंग' किए जाने का भी आरोप है, जिससे प्रशासनिक लापरवाही की पुष्टि होती है। अभिभावकों में इस स्थिति को लेकर भारी आक्रोश है। मामले की गंभीरता को देखते हुए BEO हाफिजुर रहमान ने स्पष्टीकरण मांगे जाने की पुष्टि की है। उन्होंने आश्वासन दिया है कि स्पष्टीकरण प्राप्त होने और जांच पूरी होने के बाद तथ्यों के आधार पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पूर्वी चंपारण शिक्षा विभाग में रिश्वतखोरी का नेटवर्क? वायरल ऑडियो ने खोली वसूली तंत्र की परतें

शिक्षिका को बचाने के नाम पर 40 हजार रुपये की कथित मांग, BEO-DPO के नाम पर सक्रिय 'मिडिलमैन' पर सवाल; सोशल मीडिया पर उठी निष्पक्ष जांच की मांग

बीएनएम@ सागर सूरज

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण शिक्षा विभाग एक बार फिर गंभीर आरोपों के घेरे में है। विभागीय जांच का सामना कर रही एक शिक्षिका से जुड़े कथित वायरल ऑडियो ने पूरे शिक्षा महकमे में व्याप्त भ्रष्टाचार, दलाल तंत्र और कथित रिश्वतखोरी को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं।

वायरल ऑडियो की बॉर्डर न्यूज़ मिरर स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं करता, लेकिन सोशल मीडिया पर इसे लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं और निष्पक्ष जांच की मांग उठ रही है।

मामला मधुबन प्रखंड स्थित श्री विष्णु प्रकाश उच्च विद्यालय की शिक्षिका रेखा कुमारी से जुड़ा है। उनके विरुद्ध उप विकास आयुक्त के आदेश पर बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली के तहत प्रपत्र 'क' गठित कर विभागीय जांच शुरू की गई है। आरोप-पत्र में विद्यालय से बिना सूचना अनुपस्थित रहने, अनुशासनहीनता, उच्चाधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना, विद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था प्रभावित करने सहित कई आरोप दर्ज हैं।

इसी प्रकरण में एक अन्य शिक्षक के निलंबन और प्रभारी प्रधानाध्यापक के विरुद्ध भी विभागीय कार्रवाई चल रही है।

इसी बीच वायरल हुए एक कथित ऑडियो में यह दावा किया जा रहा है कि विभागीय कार्रवाई से राहत दिलाने के लिए 40 हजार रुपये की मांग की गई। ऑडियो में कथित रूप से यह भी सुनाई देता है कि शिक्षिका राशि किसी "मिडिलमैन" के माध्यम से कम कराने की कोशिश की जा रही है।

यदि ऑडियो प्रामाणिक पाया जाता है तो यह केवल एक शिक्षिका का मामला नहीं, बल्कि पूरे शिक्षा विभाग में कथित दलाल तंत्र के सक्रिय होने की ओर संकेत करता है।

'हर काम का रेट तय' होने के आरोप- शिक्षकों का आरोप है कि एरियर, बकाया भुगतान, सेवा पुस्तिका, वेतन निर्धारण, यूएन नंबर, स्थानांतरण, विभागीय जांच, शो-कॉज सहित लगभग हर कार्य के लिए कथित रूप से बिचौलियों के माध्यम से रुपये की मांग की जाती है।

पैसे नहीं देने वाले शिक्षकों को महीनों तक कार्यालयों के चक्कर लगवाए जाते हैं और तकनीकी आपत्तियां लगाकर फाइलें लंबित रखी जाती हैं।

शिक्षकों का यह भी आरोप है कि प्रत्येक प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी (बीईओ) और जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (डीपीओ) स्तर पर कथित रूप से कुछ बिचौलिये सक्रिय हैं, जो अधिकारियों के नाम पर वसूली करते हैं। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

दूसरे ऑडियो में कथित 'वसूली नेटवर्क' की झलक- एक अन्य वायरल ऑडियो में राजीव कुमार नामक एक शिक्षक की बातचीत होने का दावा किया जा रहा है। आरोप है कि वे लंबे समय से अपने विद्यालय से अलग जिला शिक्षा कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर हैं। ऑडियो में कथित रूप से वे अधिकारियों से बेहद करीबी संबंध होने का दावा करते हैं और बातचीत के दौरान ऐसी भाषा का प्रयोग करते सुनाई देते हैं, जिससे यह आभास होता है कि उन्हें विभागीय प्रक्रियाओं और अधिकारियों तक विशेष पहुंच प्राप्त है।

ऑडियो में कथित रूप से यह भी कहा गया है कि "डेटा अपलोड हो गया होता तो हम सभी रुपया कमा लिए होते।"

यदि यह ऑडियो सही साबित होता है तो यह सरकारी कार्यों में कथित आर्थिक लेन-देन के गंभीर संकेत देता है।

हाल की घटनाओं ने भी बढ़ाए सवाल- शिक्षा विभाग पर शिक्षकों के मानसिक उत्पीड़न और बकाया भुगतान में देरी के आरोप लगते रहे हैं। हाल मे ही एक शिक्षक के पति की जिला शिक्षा कार्यालय परिसर में मृत्यु के बाद भी विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल उठे थे। इससे पहले आदापुर प्रखंड के भलुआहिया गांव के एक शिक्षक की मृत्यु भी बकाया भुगतान के लिए लगातार प्रयास करने के दौरान हुई थी। इस मामले मे तत्कालीन स्थापना डीपीओ साहब आलम पर रिश्वत की मांग करने एवं गैर इरादतन हत्या की प्राथमिकी दर्ज हुई थी. वर्तमान मे साहब आलम एक ज़िलें मे जिला शिक्षा पदाधिकारी के पद पर कार्यरत है.

दोनों घटनाओं के कारणों पर अलग-अलग मत हो सकते हैं, लेकिन शिक्षकों का एक वर्ग विभागीय कार्यप्रणाली को लेकर लगातार असंतोष व्यक्त करता रहा है।

जिलाधिकारी ने दिया है समयबद्ध भुगतान के निर्देश- जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव ने हाल में जिला शिक्षा कार्यालय को शिक्षकों के भुगतान और लंबित मामलों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है ।

आवेदन की निगरानी के लिए लॉग बुक प्रणाली लागू करने की भी बात कही गई थी, ताकि प्रत्येक आवेदन की प्रगति दर्ज हो सके और अनावश्यक विलंब पर रोक लगे।

सोशल मीडिया पर उठ रही मांग- वायरल ऑडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोग पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच, ऑडियो की फॉरेंसिक जांच तथा यदि आरोप सही पाए जाएं तो संबंधित अधिकारियों और कथित बिचौलियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

अनियंत्रित ट्रैक्टर ने बाइक को मारी टक्कर, बाल-बाल बचे बाढ़ पीड़ित

बीएनएम@ बगहा

बगहा पुलिस जिला के नदी थाना क्षेत्र अंतर्गत धनहा-रतवल मुख्य मार्ग पर गुरुवार सुबह एक सड़क हादसा हुआ। नैनाहा ढाला के समीप तेज रफ्तार और अनियंत्रित ट्रैक्टर-ट्रॉली ने सड़क किनारे खड़ी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रैक्टर-ट्रॉली सड़क से नीचे उतरकर सीधे एक पेड़ से जा टकराई। गनीमत यह रही कि उस समय वहां तंबू लगाकर रह रहे बाढ़ पीड़ित बाल-बाल बच गए और ट्रैक्टर चालक को भी गंभीर चोटें नहीं आईं।घटना की सूचना मिलने पर नदी थाना की पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों में इस घटना के बाद काफी आक्रोश है। ग्रामीणों का आरोप है कि धनहा, नदी और चौतरवा थाना क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश जाने वाली ईंट लदी ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की तेज रफ्तार एक बड़ी समस्या बनी हुई है। निवासियों का कहना है कि पूर्व में भी ऐसी लापरवाही के कारण कई लोग अपनी जान गंवा चुके हैं, लेकिन प्रशासनिक सुस्ती के कारण ओवरलोडिंग पर रोक नहीं लग पा रही है।ग्रामीणों ने मांग की है कि प्रशासन इस मार्ग पर नियमित जांच अभियान चलाए और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई करे। इस संबंध में नदी थानाध्यक्ष दीपक कुमार प्रसाद ने बताया कि पुलिस टीम घटना की जांच कर रही है और भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने हेतु उचित कदम उठाए जाएंगे।

अपहरण मामले में लापरवाही पर रामगढ़वा थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह निलंबित

बीएनएम@ रामगढ़वा

अपहरण के एक मामले में कर्तव्यों के निर्वहन में गंभीर लापरवाही और मनमानी बरतने के आरोप में रामगढ़वा थानाध्यक्ष राजीव कुमार साह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। पश्चिमी चंपारण प्रक्षेत्र, बेतिया के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) ने विभागीय जांच में आरोप प्रथम दृष्टया सही पाए जाने के बाद यह कार्रवाई की। मामला रामगढ़वा थाना क्षेत्र के रखवरिया गांव की निवासी सुनीता देवी की शिकायत से जुड़ा है। शिकायत के अनुसार, उनके पति बालकन्हाई महतो के कथित अपहरण की सूचना 15 जून 2026 को डायल-112 पर दी गई थी। आरोप है कि पुलिस ने अपहृत और कथित अपहरणकर्ता दोनों को थाना बुलाया, लेकिन संदिग्ध परिस्थितियों में कथित अपहरणकर्ता को महज एक घंटे के भीतर छोड़ दिया गया। वहीं, पीड़ित बालकन्हाई महतो को बिना किसी स्पष्ट कानूनी आधार के करीब 24 घंटे तक थाना हाजत में रखा गया। मामले के संज्ञान में आने के बाद 27 जून को उच्च अधिकारियों ने थानाध्यक्ष से स्पष्टीकरण मांगा था। 29 जून को दिए गए उनके जवाब को विभाग ने असंतोषजनक माना। इसके बाद हुई जांच में कई गंभीर अनियमितताएं सामने आने का दावा किया गया। जांच के दौरान यह भी पाया गया कि क्षेत्र में कथित सूदखोरी के नेटवर्क की जानकारी होने के बावजूद थानाध्यक्ष ने संबंधित लोगों के खिलाफ कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की। आरोप है कि कार्रवाई करने के बजाय उन्हें थाना बुलाकर बिना किसी वैधानिक प्रक्रिया के छोड़ दिया गया। डीआईजी कार्यालय ने इसे पुलिस अधिकारी के कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही, अनुशासनहीनता और जनता के बीच पुलिस की साख को प्रभावित करने वाला आचरण माना। इसी आधार पर राजीव कुमार साह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। हालांकि, मामले में लगाए गए आरोपों पर संबंधित अधिकारी का विस्तृत पक्ष सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आया है। विभागीय जांच की आगे की कार्रवाई जारी है।

हजारों श्रद्धालुओं की आस्था का सैलाब, वीरगंज में श्री गहवामाई की चौथी रथयात्रा शांतिपूर्ण संपन्न

बीएनएम@ रक्सौल/वीरगंज

नेपाल के वीरगंज स्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ श्री गहवामाई मंदिर की चौथी भव्य रथयात्रा गुरुवार को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के माहौल में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। पिछले तीन वर्षों से आयोजित हो रही इस धार्मिक यात्रा में इस बार भी हजारों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विशेष पूजा-अर्चना के बाद सुबह मंदिर परिसर से निकली रथयात्रा घंटाघर, रेलवे रोड के भीतरी बाइपास, छपकैया, मुख्य सड़क, अस्पताल रोड, मकालु चौक और आदर्शनगर होते हुए पुनः माईस्थान मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। पूरे मार्ग में श्रद्धालु जयकारों, भजन-कीर्तन और धार्मिक उल्लास के साथ शामिल रहे। रथयात्रा को सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए पर्सा जिला पुलिस कार्यालय के डीएसपी राजु कार्की के नेतृत्व में नेपाल पुलिस, सशस्त्र प्रहरी बल नेपाल और ट्रैफिक पुलिस की व्यापक तैनाती की गई थी। यात्रा मार्ग पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। सादे लिबास में भी पुलिसकर्मी तैनात रहे तथा यातायात को सुचारु बनाए रखने के लिए कई स्थानों पर वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए गए। सुबह से ही बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर परिसर पहुंच गए थे। यात्रा शुरू होने से पहले हुई बारिश भी श्रद्धालुओं के उत्साह को कम नहीं कर सकी। हालांकि मुख्य सड़क के चौड़ीकरण कार्य के कारण कुछ स्थानों पर हल्की असुविधा हुई, लेकिन श्रद्धालु पूरे भक्तिभाव के साथ यात्रा में शामिल रहे। रथयात्रा के समापन के बाद आयोजन समिति के सचिव पप्पू गुप्ता ने श्रद्धालुओं से शाम छह बजे आयोजित भव्य भजन संध्या में शामिल होकर माता गहवामाई का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की। रथयात्रा में पर्सा के प्रमुख जिला अधिकारी (सीडीओ), प्रदेश सभा सदस्य सुशील साह कानु, युवा नेता सुधीर पटेल सहित हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। इस अवसर पर विश्व ज्योतिष महासंघ के एशिया उपाध्यक्ष डॉ. पुरुषोत्तम दुबे ने बताया कि श्रावण-1 के अवसर पर सुबह छह बजे 56 भोग महापूजा तथा शाम चार बजे से विशाल महाप्रसाद भंडारा आयोजित किया जाएगा। उन्होंने श्रद्धालुओं से अनुशासन और मर्यादा के साथ कार्यक्रम में भाग लेने तथा महाप्रसाद ग्रहण करने का आग्रह किया। आयोजन समिति के अनुसार, इस वर्ष की रथयात्रा धार्मिक आस्था, सामाजिक सद्भाव, अनुशासन और उत्कृष्ट सुरक्षा व्यवस्था का एक सफल उदाहरण बनकर संपन्न हुई।

गुप्त सूचना पर छापेमारी, 67 बोरी अवैध उर्वरक जब्त

बीएनएम@ मोतिहारी

कुंडवा चैनपुर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए 67 बोरी अवैध उर्वरक जब्त किया है। मामले में आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, ग्राम खरूही निवासी रंजीत कुमार सिंह (पिता- स्व. राम सागर सिंह) के परिसर में अवैध रूप से उर्वरक रखे जाने की सूचना मिली थी। सूचना के सत्यापन के बाद कुंडवा चैनपुर थाना पुलिस ने कृषि समन्वयक सह सहायक उर्वरक निरीक्षक, ढाका के साथ संयुक्त रूप से छापेमारी की। छापेमारी के दौरान परिसर से इफको कंपनी की 67 बोरी उर्वरक बरामद हुई, जिसके संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया जा सका। इसके बाद पुलिस एवं कृषि विभाग की टीम ने सभी उर्वरकों को जब्त कर लिया। पुलिस ने बताया कि मामले में आवश्यक जांच के बाद संबंधित के विरुद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश एवं अन्य प्रासंगिक धाराओं के तहत विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।

नर्सिंग सेवा मानवता का सबसे बड़ा दायित्व, समर्पण और अनुशासन से बनें उत्कृष्ट एएनएम: यमुना सीकरिया

बीएनएम@ मोतिहारी

मनोरमा देवी सीकरिया एएनएम ट्रेनिंग स्कूल में शुक्रवार को नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के अवसर पर छात्राओं के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा नेता यमुना सीकरिया, भाजपा नेत्री डॉ. हिना चंद्रा, फार्मेसी प्रिंसिपल प्रीति कुमारी दुबे, एएनएम प्रिंसिपल शांति ग्लेडिश तथा अनिल प्रसाद ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर सभी अतिथियों का पौधा भेंटकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा नेता यमुना सीकरिया ने कहा कि मनोरमा देवी सीकरिया एएनएम ट्रेनिंग स्कूल मोतिहारी का एकमात्र नर्सिंग कॉलेज है, जिसे बिहार सरकार के साथ-साथ भारत सरकार की भारतीय नर्सिंग परिषद से पिछले 15 वर्षों से मान्यता प्राप्त है। उन्होंने कहा कि यहां से प्राप्त डिग्रियां पूरे भारत ही नहीं, विदेशों में भी मान्य हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र को सुदृढ़ करने के लिए लगातार कार्य कर रही है तथा प्रत्येक जिले में 500 बेड वाले अस्पतालों का निर्माण कराया जा रहा है। वहीं बिहार सरकार भी लगातार नर्सों की बहाली कर रही है, जिससे प्रशिक्षित एएनएम के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। भाजपा नेत्री डॉ. हिना चंद्रा ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग ऐसा क्षेत्र है, जिससे हर व्यक्ति किसी न किसी रूप में जुड़ा होता है। उन्होंने प्रशिक्षित एएनएम को स्वास्थ्य व्यवस्था की मजबूत कड़ी बताते हुए कहा कि समाज को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने छात्राओं को उनके दायित्व, कार्यशैली तथा मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार की जानकारी दी और समर्पण, अनुशासन एवं सेवा-भाव के साथ अपने पेशे को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि नर्स का जीवन करुणा, त्याग और इंसानियत की भावना से परिपूर्ण होता है। कार्यक्रम का संचालन फार्मेसी प्रिंसिपल प्रीति कुमारी दुबे ने किया। ओरिएंटेशन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नई छात्राओं ने भाग लिया और अपने नर्सिंग करियर की सफल शुरुआत का संकल्प लिया।

भारत की भूमिका दर्शक भर की

नई दुनिया को परिभाषित करने वाली तकनीकों में अपना प्रतिमान बनाने की होड़ में भारत बहुत पीछे छूट गया है। नतीजतन अमेरिकी या चीनी प्रतिमानों में से किसी एक पर निर्भर होना हमारी नियति बन गई है। खबर है कि फेबल-5 और माइथोस-5 जैसे उन्नत आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस मॉडल्स तक विदेशियों की पहुंच रोकने के डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन के आदेश के बाद भारत की बड़ी कंपनियां भी चीन के ऑपेन सोर्स मॉडल वाले एआई एजेंट्स की सेवाएं ले रही हैं। सस्ता होने के कारण स्टार्ट-अप कंपनियों के बीच पहले से ही चीनी मॉडल लोकप्रिय हैं। स्पष्टतः यह रुझान हाई टेक क्षेत्र में हमारी निराशाजनक उपस्थिति का प्रमाण है। नई दुनिया जिन तकनीकों से परिभाषित होगी, उनमें भारत की मौजूदगी महज हेडलाइन और नैरेटिव निर्माण तक सीमित है। जबकि कड़वी हकीकत यह है कि उन तकनीकों में अपना मॉडल और प्रतिमान बनाने के लक्ष्य में भारत बहुत पीछे छूट गया है। ऐसे में अमेरिकी या चीनी प्रतिमानों में से किसी एक पर निर्भर होना हमारी नियति बन गई है। एआई के बाद अब क्वांटम कंप्यूटिंग में अमेरिका और चीन के बीच तीखी होड़ शुरू हो चुकी है। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति ने क्वांटम कंप्यूटिंग को राष्ट्रीय रणनीतिक संपत्ति घोषित करने वाले कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए। साथ ही अमेरिकी कंपनियों के लिए दो बिलियन डॉलर के विशेष पैकेज की घोषणा की। विशेषज्ञों के मुताबिक यह नए तकनीक युद्ध की शुरुआत है। अमेरिका का ध्यान विशेष रूप से क्वांटम वेफर उत्पादन और जीपीएस की जगह लेने वाले क्वांटम सेंसर्स के सैन्य इस्तेमाल पर केंद्रित है, ताकि भविष्य के युद्धों में सिग्नल जैमिंग जैसी चुनौतियों को बेअसर किया जा सके। मगर चीन इस बिसात पर पीछे नहीं है। उसने अपनी 15वीं पंचवर्षीय योजना (2026-2030) में क्वांटम तकनीक को भविष्य के छह प्रमुख उद्योगों में सबसे ऊपर रखा है। मार्केट रिसर्च कंपनी मैकिन्से के अनुमानों के अनुसार चीन का सार्वजनिक निवेश 15 बिलियन डॉलर से अधिक है, जो अमेरिकी सरकारी निवेश से लगभग दोगुना है। जहां अमेरिका निजी क्षेत्र के नवाचार और सेमीकंडक्टर प्रभुत्व पर भरोसा कर रहा है, वहीं चीन का दृष्टिकोण राज्य-नियोजित और रणनीतिक है। इस राह पर चलते हुए उसने इस क्षेत्र में आरंभिक बढ़त बना ली है। यही कथा रॉबोटिक्स और बायोटेक क्षेत्रों की है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि इन सब में भारत की भूमिका दर्शक भर की रह गई है।

यूके व्यापार समझौते से प्रत्येक भारतीय के लिए बड़े अवसर खुलेंगे

पीयूष गोयल

आज से, यूके को होने वाले भारत के लगभग सभी निर्यात पर कोई सीमा शुल्क नहीं लगेगा। इससे हमारे छोटे व्यवसायों, किसानों, मछुआरों, नवोन्मेषकों, महिलाओं और श्रम-प्रधान उद्योगों के लिए बड़े अवसर खुलेंगे, क्योंकि परिवर्तनकारी 'व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता0 (सीईटीए) आज से लागू हो रहा है।

यह भारत का सबसे व्यापक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) है और यह बड़ी संख्या में नौकरियों और व्यापार- अवसरों का सृजन करके समृद्धि लाएगा। इससे भारतीय निर्माताओं को धीरे-धीरे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा करने का मौका मिलेगा और हर नागरिक को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाले सामान प्राप्त करने का लाभ मिलेगा। इससे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 मिशन को भी तेज गति मिलेगी। व्यवसायियों में उत्साह है। उनके पास यूके को माल भेजने के लिए विस्तृत योजनाएं हैं। रत्न और आभूषण निर्यातकों को उम्मीद है कि यूके को होने वाला निर्यात अगले तीन साल या उससे भी कम समय में 230त्न बढ़कर 2.5 अरब डॉलर हो जाएगा, जबकि इंजीनियरिंग वस्तुओं के निर्यातकों को उम्मीद है कि अगले 4-5 सालों में यूके को होने वाली बिक्री लगभग दोगुनी होकर 7.5 अरब डॉलर तक पहुँच जाएगी। पिछले साल प्रधानमंत्री मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर की मौजूदगी में हस्ताक्षर हुए इस समझौते से, जो दोनों पक्षों के लिए फायदेमंद है, लगभग 99त्न टैरिफ लाइनों पर शुल्क तुरंत समाप्त हो जाएगा। इसमें लगभग 100त्न व्यापार मूल्य शामिल है, जिससे भारतीय निर्यात, जो वैश्विक उथल-पुथल के बावजूद पहले से ही तेज़ी से बढ़ रहा है, के लिए अपार अवसर पैदा होंगे।

युवा सोच, वैश्विक अवसर– यह जन-केंद्रित एफटीए 15 जुलाई से लागू हो रहा है, जो विश्व युवा कौशल दिवस भी है। 2015 में इसी दिन पीएम मोदी ने कौशल भारत मिशन की शुरुआत की थी, जो हमारे युवाओं को न सिर्फ भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने, योगदान देने और नेतृत्व करने में सक्षम बना रहा है। भारतीय युवाओं के लाभ के लिए, यूके ने अब तक की अपनी सबसे व्यापक सेवा-संबंधी प्रतिबद्धता व्यक्त की है, जिसमें सभी प्रमुख सेवा क्षेत्र और भारत के लिए निर्यात की दृष्टि से महत्वपूर्ण 137 उप-क्षेत्र शामिल हैं। बेहतर बाजार पहुँच और नियामक स्पष्टता से भारतीय सेवा प्रदाताओं को आईटी और आईटी-सक्षम सेवाओं, वित्तीय सेवाओं, पेशेवर सेवाओं, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, इंजीनियरिंग, दूरसंचार और परामर्श सेवाओं में समर्थन मिलेगा।

रोज़गार के अवसर - युवाओं को रोज़गार के ज़्यादा मौके मिलेंगे, क्योंकि बेहतर पहुँच के साथ रत्न और आभूषण, वस्त्र, चमड़ा और जूते, जैविक रसायन, प्लास्टिक, वाहन कल-पुर्जे, हस्तशिल्प और खाद्य प्रसंस्करण जैसे श्रम-गहन क्षेत्र अपने कामकाज का विस्तार करेंगे। कुल मिलाकर, वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं तक पहुंच को बढ़ावा देकर और प्रतिस्पर्धा क्षमता में सुधार करके, सीईटीए भारतीय युवाओं को जरूरी कौशल और अवसर प्रदान करेगा, ताकि वे अंतरराष्ट्रीय बाजार में सार्थक भूमिका निभा सकें और विकास में योगदान दे सकें।

सीईटीए का एक महत्वपूर्ण पहलू है, दोहरी योगदान व्यवस्था। यह ऐतिहासिक व्यवस्था, जो सीईटीए के साथ लागू हो रही है, भारतीय श्रमिकों और नियोक्ताओं को अस्थायी कार्य-भार के दौरान यूके में दोहरी सामाजिक सुरक्षा योगदान से छूट देती है।

कर्मचारियों के लिए अस्थायी विदेशी कार्य-भार पर निरंतर सामाजिक सुरक्षा कवरेज से 75,000 से अधिक भारतीय पेशेवरों और 900 से अधिक कंपनियों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

स्थानीय स्तर पर उगाएं, वैश्विक स्तर पर बेचें - भारतीय किसानों को 37.5 बिलियन डॉलर के ब्रिटेन के बाजार तक आसान पहुंच से फायदा होगा। इससे भारतीय डेयरी उत्पादों, चाय, कॉफी, मसालों, फलों, सब्जियों, फलों के रस, मांस और प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। यूके के लगभग 95त्न कृषि आयात भारत के लिए शुल्क- मुक्त होंगे। इस विशाल बाजार में निर्यात तीन वर्षों में 50त्न तक बढ़ सकता है। इससे किसानों की आय बढ़ेगी और कृषि मूल्य श्रृंखला में रोजगार के अवसरों का सृजन होगा। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस समझौते में डेयरी, सब्जियां, सेब, खाद्य तेल, जई (ओट्स), मोटे अनाज, कुकिंग ऑयल और अन्य जैसे संवेदनशील कृषि उत्पादों को पूरी सुरक्षा दी गई है और इन्हें संवेदनशील सूची में रखा गया है। इन वस्तुओं पर ब्रिटेन को कोई सीमा-शुल्क छूट नहीं दी गई है। ये अपवाद मोदी सरकार की खाद्य सुरक्षा, घरेलू मूल्य स्थिरता और कमजोर कृषि समुदायों को प्राथमिकता देने की रणनीति को दर्शाते हैं। एसएमई – स्थानीय प्रयास, वैश्विक ताकत – पीएम मोदी ने हमेशा से भारत के लघु और मध्यम उद्यमों (एसएमई) को उच्च प्राथमिकता दी है। सीईटीए में महत्वपूर्ण एसएमई क्षेत्र की मदद के लिए एक विशेष अध्याय है, 2024-25 में भारत के कुल निर्यात में इस क्षेत्र की हिस्सेदारी 45.8त्न थी। सीईटीए कई प्रमुख प्रावधानों के साथ एसएमई की मदद करेगा, जैसे तेज सीमा-शुल्क प्रक्रिया, डिजिटल प्रणालियों और दस्तावेज रहित व्यापार को मान्यता देने और सुविधाजनक बनाने के समझौते।

बाजार तक प्राथमिक पहुंच के अलावा, एसएमई को व्यापार, शिक्षा और वित्त, डिजिटल कौशल, व्यवसायिक अवसंरचना और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों से जुड़ी सर्वोत्तम प्रथाओं पर बढ़ते सहयोग का भी लाभ मिलेगा। मछुआरों के लिए बड़ी खुशी – सीईटीए से भारत के मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्र को काफी फायदा मिलने की उम्मीद है, जो लगभग 28 मिलियन लोगों की आजीविका का ज़रिया है।

बाज़ार तक बेहतर पहुँच और ज़्यादा निर्यात से आंध्र प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक, ओडिशा और महाराष्ट्र के मछुआरों को लाभ होगा। इससे न सिफ़र् भारत के मत्स्य निर्यात को मज़बूती मिलेगी, बल्कि मछुआरों की भलाई और आजीविका में भी मदद मिलेगी और तटीय इलाकों में आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। महिलाओं के लिए बड़ी जीत – यह ऐतिहासिक समझौता, जो पारंपरिक एफटीए से कहीं अधिक है, सतत और समावेशी आर्थिक विकास में महिलाओं के योगदान को मान्यता देता है। इसका उद्देश्य महिलाओं के लिए अवसर और लाभ को बढ़ावा देना है।

दोनों देशों ने महिलाओं की बाज़ार और उभरते क्षेत्रों तक पहुंच बढ़ाने, वित्तीय समावेश और साक्षरता को बढ़ावा देने, कार्यस्थल पर महिलाओं के लिए समान अवसर प्रदान करने, और उनकी क्षमता और कौशल विकसित करने जैसी विभिन्न गतिविधियाँ का वादा किया है।

सीईटीए सिर्फ एक व्यापार समझौता नहीं है। यह भारत की क्षमताओं और आकांक्षाओं में विश्वास का एक वक्तव्य है। यह एक नए भारत को प्रतिबिंबित करता है, जो सिर्फ वैश्विक व्यापार में भाग ही नहीं ले रहा है, बल्कि इसे आकार देने में भी मदद कर रहा है। हमारे किसानों, मछुआरों, कामगारों, महिला उद्यमियों, एमएसएमई, पेशेवरों और युवाओं को सशक्त बनाकर, यह समझौता देश के प्रत्येक हिस्से में रह रहे हर भारतवासी को अवसर उपलब्ध कराएगा।

(लेखक केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री हैं)

भारतीयों की मौत पर सन्नाटा क्यों? ईरान के लिए मुखर रहने वालों से देश पूछ रहा है सवाल ?

-डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत और ईरान के संबंध सदियों पुराने रहे हैं। सांस्कृतिक विरासत, ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार, चाबहार बंदरगाह और सामरिक सहयोग जैसे अनेक क्षेत्रों में दोनों देशों ने एक-दूसरे का साथ दिया है। हालांकि यह भी सामने आया है कि इस्लाम के नाम पर ईरान ने हमेशा पाकिस्तान का साथ निभाया है, लेकिन अपने व्यापारिक हितों को देखते हुए वह आर्थिक मामलों में भारत के साथ खड़ा दिखा है।

यही कारण भी रहा जो भारत ने हमेशा यह साबित किया कि वह अपने मित्र देशों का संकट की घड़ी में भी साथ देता है। आज जब 'हॉर्मुज जलडमरूमध्य' में भारतीय नाविकों की मौत और कई भारतीयों के घायल होने की घटना सामने आई है, तब यह प्रश्न पूरे देश के सामने खड़ा है कि क्या भारत के इस मित्रता पूर्ण व्यवहार एवं सम्मान का मान ईरान ने भी रखा है? विदेश मंत्रालय ने स्वयं स्वीकार किया है कि पश्चिम एशिया में समुद्री जहाजों पर हाल में हुए हमलों में सबसे अधिक भारतीय नागरिक प्रभावित हुए हैं। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि इस सप्ताह हॉर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे दो व्यापारी जहाज, 'एमटी अल बहियाह' और 'एमटी मोम्बासा' हमले का शिकार बने। इन दोनों जहाजों पर कुल 46 चालक दल के सदस्य थे, जिनमें 30 भारतीय नाविक शामिल थे।

'एमटी अल बहियाह' पर सवार 12 भारतीयों में से एक भारतीय नागरिक की मृत्यु हो गई, जबकि एक अन्य घायल हुआ। 'एमटी मोम्बासा' पर सवार 18 भारतीयों में से 9 भारतीय घायल हुए, जिनमें दो की स्थिति गंभीर बनी हुई है, वह जीवित भी बचेंगे, इसमें संदेह है। हालांकि भारत सरकार ने तत्काल नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास के मिशन उप प्रमुख को विदेश मंत्रालय तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया और इन हमलों की तीखी निंदा की। यदि भारत जैसा संतुलित कूटनीतिक देश किसी मित्र राष्ट्र के राजनयिक को तलब करता है, तो यह अत्यंत गंभीर संदेश होता है। पर क्या इससे भारत की वह जनता समझेगी, जो कल तक ईरान के समर्थन में सड़कों पर उतर रही थी, चंदा इकट्ठा कर मदद के नाम पर ईरान भेज रही थी?

हकीकत में तो आज यह सभी के लिए याद करना आवश्यक है कि भारत ने ईरान के लिए क्या किया। जब ईरान अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों, युद्ध और आर्थिक संकट से जूझ रहा था, तब भारत ने सिर्फ उसके पक्ष में जहां संभव रहा, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बयान जारी किए, साथ ही मानवीय सहायता का बड़ा अभियान भी चलाया। जीवनरक्षक दवाइयाँ, चिकित्सा उपकरण और आवश्यक मेडिकल सामग्री, वैध और कानूनी माध्यमों से ईरानी रेड क्रिसेंट सोसाइटी तक पहुँचाई गईं। जिसके परिणाम में ईरान सरकार और उसके राजदूत ने सार्वजनिक रूप से भारत सरकार तथा भारतीय जनता के इस सहयोग के लिए आभार भी व्यक्त किया। यानी भारत ने सहानुभूति का प्रदर्शन करने के स्थान पर संकट की घड़ी में ईरान की वास्तविक मदद की।

ईरान के पक्ष में जब भारत में रह रहे शिया मुसलमान धन इकट्ठा कर रहे थे, तब कश्मीर घाटी से लेकर मेरठ, लखनऊ, अमरोहा, हैदराबाद, मुंबई, कारगिल और अन्य क्षेत्रों से नकद राशि के साथ-साथ सोने के आभूषण, चांदी के बर्तन और अन्य मूल्यवान वस्तुएँ ईरान को आर्थिक सहायता के रूप में उपलब्ध कराई गईं। यानी जो भी ईरान के पक्ष में संभव हो सकता था, वह सभी कुछ भारत सरकार ने अपने स्तर पर किया। जहां तक कि भारत के तमाम गैर मुसलमानों ने भी शियाओं के आह्वान पर यथासंभव मदद अपनी ओर से मुहैया कराई। अमेरिकी प्रतिबंधों और वैश्विक दबाव के बावजूद भारत ने चाबहार बंदरगाह परियोजना को कभी नहीं छोड़ा। यह परियोजना ईरान की अर्थव्यवस्था और उसके अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। जब अनेक अंतरराष्ट्रीय कंपनियाँ ईरान से दूरी बना रही थीं, तब भारत ने निवेश जारी रखा। यह कदम भरोसे और रणनीतिक साझेदारी के आधार पर उठाया गया, किंतु आज सवाल जवाबदेही का है।

वस्तुतः जब भारतीय नागरिकों की जान जाती है, तब भारत को यह पूछने का पूरा अधिकार है कि ऐसी घटनाएँ क्यों हुईं?यदि अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकती, यदि नागरिक जहाजों पर हमले होते हैं और उनमें सबसे अधिक भारतीय प्रभावित होते हैं, तो सिर्फ "दुख व्यक्त" कर देना पर्याप्त नहीं हो सकता। ऐसे में भारत के प्रत्येक नागरिक को यह जानने का अधिकार है कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ईरान क्या ठोस कदम उठा रहा है। भारतीय नाविक किसी युद्ध का हिस्सा नहींः यह भी ध्यान देने योग्य है कि भारत विश्व के सबसे बड़े समुद्री मानव संसाधन प्रदाताओं में शामिल है। हजारों भारतीय व्यापारी जहाजों पर कार्य करते हैं। वे किसी सैन्य अभियान का हिस्सा नहीं होते। वे वैश्विक व्यापार की रीढ़ हैं। ऐसे निर्दोष नागरिकों का किसी भी संघर्ष में शिकार बनना अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून और मानवीय सिद्धांतों, दोनों के विपरीत है। यदि सबसे अधिक भारतीय नाविक ही प्रभावित हो रहे हैं, तो यह भारत के लिए स्वभाविक तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रश्न बन गया है।

अब स्वभाविक है कि इस पूरे घटनाक्रम ने देश के भीतर भी एक गंभीर बहस छेड़ दी है। जैसा कि बताया गया, जब ईरान संकट में था, तब भारत में अनेक स्थानों पर उसके समर्थन में प्रदर्शन हुए। सोशल मीडिया पर अभियान चलाए गए। मानवाधिकारों और अंतरराष्ट्रीय कानून की दुहाई दी गई। करोड़ों रुपये का चंदा जुटाया गया। लोगों ने अपने आभूषण तक दान कर दिए, किंतु आज जब एक भारतीय नागरिक की मृत्यु हुई, अनेक भारतीय घायल हुए और भारत सरकार को स्वयं ईरानी राजनयिक को तलब कर विरोध दर्ज कराना पड़ा, तब वही मुखर आवाजें शांत हैं!

मेष राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप अपनी भावनाओं पर पूर्ण नियंत्रण रखें आपके बिगड़े हुए काम भी बन जाएंगे। इस समय परिस्थिति बहुत ही अनुकूल बनी हुई है। आज फोन कॉल के माध्यम से महत्वपूर्ण सूचना मिलने की संभावना है। अपने ऊपर भरोसा रखें, दूसरों की बातों में आने से बचे। आज वाद-विवाद की स्थिति से दूर रहें।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप अपने आपको ऊर्जा से भरपूर महसूस करेंगे। युवाओं को अपने करियर से संबंधित उपलब्धि मिलने की उम्मीद है। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आईटी और मीडिया क्षेत्र के लोगों के लिए आज नई रिसर्च बहुत फलदायी रहेगी। प्रबंधन में काम करने वाले लोग अपनी निगरानी और सतर्कता से बड़ी गड़बड़ी होने से बचा लेंगे।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके जीवन में नए अवसर लेकर आएगा। आप लोगों को अपनी योजनाओं से सहमत कर लेंगे। तकनीकी, इंजीनियरिंग और कानून के क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन खास उपलब्धियों वाला है। मैनेजमेंट में आपकी त्वरित निर्णय लेने की क्षमता को वरिष्ठों लोगों द्वारा सराहा जाएगा।

कर्क राशिः आज आपका दिन आपके लिए मिला-जुला रहेगा साथ ही थोड़ा चुनौती पूर्ण हो सकता है और आज निस्संदेह आपका बिगड़ा हुआ काम बन जाएगा। आज आप घर के रखरखाव या नवीनीकरण को लेकर कुछ विचार-विमर्श करेंगे। ऑफिस में सहकर्मियों के साथ आज अच्छा तालमेल रहेगा। कानून, सलाहकार और प्रबंधन से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन खास उपलब्धियों वाला रहेगा।

सिंह राशिः सिंह लग्न और राशि वालों आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। इस राशि के कारोबारियों को पैसों के मामलों में लाभ हो सकता है। आज आपको एक तरफा सोचने से बचना चाहिए, बेहतर रहेगा की आप सभी पहलुओं को पर विचार करें। ऑफिस में काम आसानी से पूरा हो सकता है और आपकी तार्किक क्षमता से बॉस प्रभावित होंगे साथ ही आपकी परफॉरमेंस से खुश होकर आपको कुछ अच्छा-सा गिफ्ट दे सकते हैं।

कन्या राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। आप अपनी वर्तमान उपलब्धियों से संतुष्ट तो रहेंगे, लेकिन मन में कुछ बड़ा करने की इच्छा प्रबल रहेगी। आज परिवार में नए अवसरों को लेकर चर्चा हो सकती है और आर्थिक मामलों में आपकी दूरगामी सोच की तारीफ होगी । ऑफिस में आपको अपनी राय रखने का पूरा मौका मिलेगा। संतान पक्ष से सुख प्राप्त होगा।

तुला राशिः आज आपका दिन व्यस्तता में बीत सकता है। आज आप अपनी मेहनत और समझदारी से सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी करेंगे और किसी बड़े बुजुर्ग का मार्गदर्शन फायदेमंद साबित होगा। आज आप नई जिम्मेदारी लेने में थोड़ा संकोच कर सकते हैं। रुके हुए कुछ खास काम, आज पूरे होंगे इससे आपको प्रसन्नता होगी। साथ ही किसी प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिये की गयी कोशिशों का भी अच्छा परिणाम मिलेगा।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। कुछ लोगों की मदद से आपके काम पूरे हो सकते हैं। आर्थिक मामलों में मोह छोड़कर व्यावहारिक फैसला लेना आपके भविष्य के लिए उन्नति का रास्ता खोलेगा। आज आपको खुशखबरी मिल सकती है। शोध, लेखन और आध्यात्मिक शिक्षा से जुड़े लोग आज पुरानी कार्यप्रणाली को बदलकर कुछ नया और सार्थक अपनाने की कोशिश करेंगे।

धनु राशिःआज का दिन आपके लिए सुनहरे पल लेकर आयेगा। नए कार्यों में आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। साहित्य से जुड़े लोगों को बड़ी खुशखबरी मिलेगी। करियर में आप नए आयाम स्थापित करेंगे। किसी काम में जीवनसाथी की सलाह फायदेमंद रहेगी। दोस्तों के साथ मूवी देखने का प्लान बनायेंगे। आज परिवार में किसी पुराने विवाद को पीछे छोड़ना ही आपके लिए हितकारी रहेगा।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिए शुभ फलदायक रहेगा। आज का दिन आपके जीवन में संतुलन, सामंजस्य और धैर्य लेकर आएगा। आप अलग-अलग परिस्थितियों के बीच सुंदर तालमेल बिठाने में सफल रहेंगे। परिवार में सुख शांति का वातावरण रहेगा और आप अपनी समझदारी से बिगड़ी स्थितियों को सुधार लेंगे।

कुम्भ राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आप अपने लक्ष्यों को पाने के लिए पूरी तरह समर्पित रहेंगे। परिवार में आपकी जिम्मेदारी के प्रति निष्ठा की सराहना होगी। आर्थिक लाभ के लिए यह समय अपने हुनर को निखारने का है। कार्यक्षेत्र में आज आपकी कार्यकुशलता और बारीकियों को पकड़ने की क्षमता की तारीफ होगी। मन में एकाग्रता और धैर्य बना रहेगा।

मीन राशिःआज का दिन आपके लिए सामान्य रहेगा। मानसिक तौर पर स्पष्ट और निष्पक्ष फैसले लेने के लिए दिन शुभ है। अपनी भावनाओं को परे रखकर केवल तथ्यों पर ध्यान देंगे। परिवार में आपकी फ्रैंकनेस से कुछ लोग असहज हो सकते हैं, लेकिन हालात सुलझाने के लिए यह बहुत ही जरूरी होगा। व्यापार को बढ़ाने के मामले में आपकी मेहनत सफल रहेगी आर्थिक फैसलों में भावनाओं की बजाय तर्क को प्राथमिकता दें।

भारत के वस्त्र उद्योग में सततता की बुनावटः भारत की वस्त्र मूल्य श्रृंखला में चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना

भारत का वस्त्र एवं परिधान उद्योग देश की अर्थव्यवस्था, विनिर्माण और निर्यात का एक मजबूत आधार है। यह क्षेत्र सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग 2 प्रतिशत तथा विनिर्माण सकल मूल्य संवर्धन में लगभग 11 प्रतिशत का योगदान देता है। भारत वैश्विक स्तर पर वस्त्र एवं परिधान का छठा सबसे बड़ा निर्यातक है और विश्व निर्यात में उसकी लगभग 4 प्रतिशत हिस्सेदारी है। यह उद्योग 4.5 करोड़ से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध कराता है, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं और ग्रामीण श्रमिक शामिल हैं। बदलते वैश्विक बाजार और पर्यावरण के प्रति बढ़ती जागरूकता के बीच भारत अब वस्त्र उद्योग में चक्रीय अर्थव्यवस्था (सर्कुलर इकोनॉमी) को बढ़ावा देकर सतत विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सरकार जैविक रेशों, सुरक्षित रसायनों, पुनर्चक्रण, अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यावरण-अनुकूल प्रमाणन और उत्पादों की ट्रेसबिलिटी (उत्पत्ति का पता लगाने की व्यवस्था) जैसी पहलों को प्रोत्साहित कर रही है।

क्या है चक्रीय अर्थव्यवस्थाः चक्रीय अर्थव्यवस्था ऐसी व्यवस्था है, जिसमें उत्पादों और संसाधनों का अधिकतम समय तक उपयोग किया जाता है। पुराने उत्पादों का पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण और अपसाइक्लिंग (पुरानी वस्तु को अधिक उपयोगी उत्पाद में बदलना) करके अपशिष्ट और प्रदूषण को कम किया जाता है। इससे प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण होता है और उत्पादन अधिक टिकाऊ बनता है।

भारत में वस्त्र अपशिष्ट का बड़ा हिस्सा हो रहा पुनः भारत में हर वर्ष लगभग 78 लाख टन वस्त्र अपशिष्ट का प्रबंधन किया जाता है। इनमें से 90 प्रतिशत से अधिक अपशिष्ट कारखानों और उपभोक्ताओं से प्राप्त होता है। कुल अपशिष्ट का 70 प्रतिशत से अधिक भाग पुनः प्राप्त कर पुनर्चक्रण, पुनः उपयोग या अपसाइक्लिंग में लगाया जाता है। उपभोक्ता से पहले उत्पन्न होने वाले वस्त्र अपशिष्ट का लगभग 95 प्रतिशत संगठित मूल्य श्रृंखला के माध्यम से वापस उत्पादन में उपयोग किया जाता है। कताई उद्योग में लगभग पूरा अपशिष्ट पुनः उत्पादन प्रक्रिया में शामिल कर लिया जाता है। वहीं उपयोग के बाद फेंके गए वस्त्रों का लगभग 55 प्रतिशत लैंडफिल में जाने से बचा लिया जाता है। यह संपूर्ण व्यवस्था देश में 40 से 45 लाख लोगों की आजीविका का आधार बनी हुई है, जिसमें महिलाओं और वंचित वर्गों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

देश के सफल वस्त्र पुनर्चक्रण मॉडल-

नवी मुंबई मॉडलः नवी मुंबई के बेलापुर में देश की पहली नगर निगम आधारित वस्त्र पुनर्प्राप्ति सुविधा स्थापित की गई है। यहां अब तक 30 मीट्रिक टन वस्त्र अपशिष्ट एकत्र किया गया, 25.5 मीट्रिक टन की छंटाई की गई तथा 41 हजार से अधिक उत्पाद तैयार किए गए हैं। 400 से अधिक अपसाइक्लिंग नमूने विकसित किए गए और 1.14 लाख परिवारों तक इसकी पहुंच बनी है।

पानीपत बना पुनर्चक्रण का प्रमुख केंद्रः

हरियाणा का पानीपत देश का सबसे बड़ा वस्त्र पुनर्चक्रण केंद्र बन चुका है। यहां प्रतिदिन लगभग 3500 से 5250 टन वस्त्र अपशिष्ट का प्रसंस्करण किया जाता है। यहां संग्रहण, छंटाई, पुनर्चक्रण और बुनाई की समग्र व्यवस्था विकसित हो चुकी है।

मंगोलपुरी का कतरन बाजारः दिल्ली के मंगोलपुरी में स्थित कतरन बाजार अनौपचारिक क्षेत्र के सफल पुनर्चक्रण मॉडल का उदाहरण है। यहां प्रतिदिन 10 टन से अधिक कपड़े की कतरन छांटकर पानीपत भेजी जाती है, जिससे पुनर्चक्रण उद्योग को कच्चा माल मिलता है।

जैविक रेशों और प्राकृतिक फाइबर को बढ़ावाः सरकार जैविक कपास और अन्य प्राकृतिक रेशों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं चला रही है। राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम के माध्यम से जैविक कपास सहित विभिन्न उत्पादों का प्रमाणन किया जा रहा है। जूट-आईकेयर कार्यक्रम के जरिए वैज्ञानिक जूट खेती, बेहतर बीज और आधुनिक तकनीक को बढ़ावा दिया जा रहा है। न्यू एज फाइबर मिशन के अंतर्गत रेमी, सिसल, अलसी जैसे प्राकृतिक रेशों के उत्पादन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। राष्ट्रीय फाइबर योजना घरेलू फाइबर उत्पादन बढ़ाने तथा आयात पर निर्भरता कम करने पर केंद्रित है।

खतरनाक रसायनों पर सख्तीः सरकार वस्त्र उद्योग में हानिकारक रसायनों के उपयोग को कम करने के लिए कई कदम उठा रही है। भारत में बेंजिडीन आधारित रंगों और 70 प्रकार के एजो डाई पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है। इसके अलावा भारत स्टॉकहोम कन्वेंशन के तहत स्थायी कार्बनिक प्रदूषकों पर नियंत्रण की दिशा में भी कार्य कर रहा है। वस्त्र फैशन आपूर्ति श्रृंखला से खतरनाक रसायनों को हटाने की परियोजना के अंतर्गत 400 कारखानों को शामिल किया गया है। इससे लगभग 1.47 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य उत्सर्जन में कमी तथा 10,530 टन हानिकारक रसायनों के उपयोग में कमी लाने का लक्ष्य रखा गया है।

हरित विनिर्माण को बढ़ावाः सरकार प्रधानमंत्री मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र एवं परिधान पार्क (पीएम मित्र पार्क) योजना के माध्यम से आधुनिक और पर्यावरण-अनुकूल वस्त्र पार्क विकसित कर रही है। इन पार्कों मेंः साझा अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र, अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण, वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन,

साझा अवसंरचना जैसी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। सात पीएम मित्र पार्कों के विकास के लिए 4445 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। दिसंबर 2025 तक 27,434 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश समझौतों पर हस्ताक्षर हो चुके हैं।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को हरित प्रोत्साहनः देश के वस्त्र उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक योगदान देने वाले सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए सरकार ने रैम्प कार्यक्रम के अंतर्गत दो प्रमुख योजनाएं शुरू की हैंः हरित निवेश एवं प्रौद्योगिकी योजना के तहत स्वच्छ ऊर्जा अपनाने पर ब्याज सब्सिडी और ऋण गारंटी। चक्रीय अर्थव्यवस्था प्रोत्साहन योजना के तहत संयंत्र एवं मशीनरी निवेश पर 25 प्रतिशत पूंजी अनुदान।

कार्बन उत्सर्जन पर निगरानीः भारतीय कार्बन बाजार व्यवस्था के अंतर्गत वस्त्र उद्योग को भी शामिल किया गया है। अब उद्योगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कार्बन उत्सर्जन का विवरण देना अनिवार्य होगा। निर्धारित लक्ष्य से बेहतर प्रदर्शन करने वाले उद्योगों को कार्बन क्रेडिट प्रमाणपत्र दिए जाएंगे, जिनका व्यापार भी किया जा सकेगा।

वस्त्र अपशिष्ट प्रबंधन को नई दिशाः 1 अप्रैल 2026 से लागू नए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों में चक्रीय अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों को शामिल किया गया है। इसमें उत्पादकों की जिम्मेदारी बढ़ाई गई है तथा अपशिष्ट पृथक्करण और संसाधन पुनर्प्राप्ति पर विशेष बल दिया गया है।

राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन के अंतर्गत वस्त्र अपशिष्ट, जैविक अवशेष और बायोमास से उन्नत हरित सामग्री विकसित करने के लिए अनुसंधान परियोजनाओं को भी मंजूरी दी गई है। पर्यावरण-अनुकूल प्रमाणन और बाजार सहायताः सरकार ने इको मार्क योजना 2024 के तहत पर्यावरण-अनुकूल वस्त्र उत्पादों के लिए प्रमाणन व्यवस्था शुरू की है। साथ ही कस्तूरी कॉटन और सिल्क मार्क जैसी पहल भारतीय वस्त्रों की गुणवत्ता और ट्रेसबिलिटी सुनिश्चित कर रही हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

जापान ओपन : सिंधु ने विश्व नंबर-5 हान यूए को हराकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी, टोक्यो

भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए चीन की विश्व नंबर-5 खिलाड़ी हान यूए को सीधे गेम में हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। विश्व नंबर-10 सिंधु ने दूसरे दौर के मुकाबले में महज 35 मिनट में हान यूए को 21-16, 21-14 से हराया। यह इस सीजन में सिंधु के सबसे बेहतरीन प्रदर्शनों में से एक माना जा रहा है।

मुकाबले की शुरुआत में सिंधु थोड़ी धीमी नजर आईं, लेकिन पहले गेम के मध्य तक उन्होंने शानदार वापसी करते हुए रैलियों पर नियंत्रण बना लिया और बढ़त हासिल कर ली। दूसरे गेम में सिंधु पूरी तरह हावी रहीं। उन्होंने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाते हुए 8-0 की बढ़त बनाई और फिर आसानी से मैच अपने नाम कर लिया। अब क्वार्टर फाइनल में सिंधु का सामना जापान की अनुभवी खिलाड़ी नोजोमी ओकुहारा से होगा। ओकुहारा को दूसरे दौर में दक्षिण कोरिया की शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी आन से-यंग के नाम वापस लेने के कारण वॉकओवर मिला। इस जीत के साथ सिंधु टूर्नामेंट में भारत की एकमात्र चुनौती बची हैं। मिश्रित युगल में तनिषा क्रास्टो और ध्रुव कपिला की जोड़ी प्री-क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गई। भारतीय जोड़ी ने कड़ा मुकाबला किया, लेकिन चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग से 20-22, 17-21 से हार गई। 47 मिनट तक चले इस मुकाबले में भारतीय खिलाड़ियों ने संघर्ष जरूर किया, लेकिन जीत हासिल नहीं कर सके।

यूपी टी20 लीग 2026 की शुरुआत 14 अगस्त से, लखनऊ में आगाज, कानपुर में फाइनल

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश की सबसे लोकप्रिय घरेलू टी20 प्रतियोगिता यूपी टी20 लीग 2026 का चौथा सीजन 14 अगस्त से शुरू होगा। उद्घाटन मुकाबले में काशी रुद्रास की टीम का सामना मौजूदा चैंपियन मेरठ मावेरिक्स से भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम, लखनऊ में होगा। इस बार टूर्नामेंट 14 अगस्त से 6 सितंबर तक खेला जाएगा। कुल 34 मुकाबले होंगे, जिनमें 13 डबल हेडर और 8 सिंगल हेडर मैच शामिल हैं। पहली बार टूर्नामेंट का आयोजन दो शहरों लखनऊ और कानपुर में किया जाएगा।

टूर्नामेंट के पहले चरण में लखनऊ के इकाना स्टेडियम में 13 मैच दिवसों में 22 मुकाबले खेले जाएंगे। इसके बाद प्रतियोगिता का दूसरा चरण कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में होगा, जहां शेष 12 मुकाबले, प्लेऑफ और फाइनल आयोजित किए जाएंगे। यूपी टी20 लीग की संचालन परिषद के अध्यक्ष डॉ. संजय कपूर ने गुरुवार को एक आधिकारिक बयान में कहा कि लीग हर सीजन के साथ नई ऊंचाइयों को छू रही है और इस बार दो शहरों में आयोजन होना टूर्नामेंट के लिए एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा, "यूपी टी20 लीग लगातार आगे बढ़ रही है। इस बार पहली बार प्रतियोगिता दो अलग-अलग मैदानों पर खेली जाएगी। शुरुआत लखनऊ से होगी, जबकि दूसरा चरण, प्लेऑफ और फाइनल कानपुर में आयोजित होंगे।" उन्होंने आगे कहा, "पिछले कुछ वर्षों में लीग का स्तर काफी बेहतर हुआ है। हमें विश्वास है कि इस बार भी युवा खिलाड़ियों को अनुभवी क्रिकेटरों के साथ अपनी प्रतिभा दिखाने का शानदार अवसर मिलेगा। सभी टीमों को शुभकामनाएं और उम्मीद है कि दर्शकों को एक और रोमांचक सीजन देखने को मिलेगा।" टूर्नामेंट का उद्घाटन समारोह और पहला मैच लखनऊ में होगा, जबकि समापन समारोह और फाइनल मुकाबला कानपुर में आयोजित किया जाएगा। क्वालीफायर-1 और एलिमिनेटर मुकाबले 3 सितंबर, क्वालीफायर-2 4 सितंबर और फाइनल 6 सितंबर को ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेला जाएगा। 15 अगस्त को नोएडा किंग्स का मुकाबला कानपुर सुपरस्टार्स से होगा, जबकि लखनऊ फाल्कंस की टीम गौर गोरखपुर लायंस से भिड़ेगी। 16 अगस्त को काशी रुद्रास और कानपुर सुपरस्टार्स आमने-सामने होंगे, जबकि शाम के मुकाबले में मेरठ मावेरिक्स का सामना गौर गोरखपुर लायंस से होगा।

पंड्या को बाहर कर बुमराह या तिलक को कप्तान बना सकती है मुम्बई : रिपोर्ट

एजेंसी, मुम्बई

पिछले दो सत्र से लगातार खराब प्रदर्शन से परेशान मुम्बई इंडियंस की टीम अब अगले सत्र में नये कप्तान के साथ उतरेगी। इससे साफ है कि टीम की कप्तानी से हार्दिक पंड्या की छुट्टी तय है। एक रिपोर्ट के अनुसार मुंबई इंडियंस ने आगामी सीज़न 2025 के लिए अपनी रणनीतियों और टीम संरचना में व्यापक बदलाव करने की तैयारी तेज कर दी है। टीम प्रबंधन कप्तानी से लेकर कोचिंग स्टाफ तक हर जगह बदलाव कर सकता है। इसका लक्ष्य नये सत्र के लिए एक अच्छी टीम बनाना है। पिछले दो सीज़न से रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या जैसे सितारों के होने के बाद भी मुंबई इंडियंस लगातार हारती रही है। इसके बाद से ही प्रबंधन पर कड़े फैसले लेने का दबाव है। बदलावें के तहत हार्दिक को हटाकर से अनुभवी मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह या युवा प्रतिभाशाली बल्लेबाज तिलक वर्मा में से किसी एक को कप्तानी मिल सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ये दोनों खिलाड़ी कप्तानी के लिए सबसे आगे चल रहे हैं। हालांकि, बुमराह की चोट से जुड़ी पिछली परेशानियां उनकी दावेदारी कमजोर करती हैं। ऐसे में तिलक की दावेदारी को और भी बल मिला है। तिलक अभी कम उम्र के हैं और भविष्य को देखते हुए टीम उन्हें अवसर दे सकती है। कप्तानी में संभावित बड़े बदलावों के अलावा, मुंबई इंडियंस अपने कोचिंग स्टाफ में भी व्यापक फेरबदल की योजना बना रही है।

पिता के त्याग ने मेरे सपनों को दी उड़ान : सोनम उत्तम मस्कर

एजेंसी, नई दिल्ली । महाराष्ट्र के कोल्हापुर की 10 मीटर एयर राइफल निशानेबाज सोनम उत्तम मस्कर अब 2026 एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हैं। लेकिन इस मुकाम तक पहुंचने के पीछे उनके पिता के बड़े त्याग और परिवार के संघर्ष की कहानी छिपी है। 23 वर्षीय सोनम सितंबर में जापान के आइची-नागोया में होने वाले 20वें एशियाई खेलों में भारतीय निशानेबाजी टीम का हिस्सा होंगी। शूटिंग प्रतियोगिताएं 17 सितंबर से 3 अक्टूबर तक आयोजित होंगी। सोनम ने एक आधिकारिक बयान में बताया कि कोविड-19 महामारी के बाद उनका परिवार आर्थिक संकट से गुजर रहा था। इसी दौरान उन्हें पेशेवर शूटिंग उपकरण की जरूरत थी, लेकिन उसकी कीमत परिवार के लिए बड़ी चुनौती थी। तब उनके पिता उत्तम मारुति मस्कर ने अपनी बेटी का सपना पूरा करने के लिए अपनी एक संपत्ति बेच दी। सोनम ने कहा,"एक समय ऐसा था जब हमारा परिवार आर्थिक कठिनाइयों से गुजर रहा था, खासकर लॉकडाउन के दौरान। जब यह साफ हो गया कि आगे बढ़ने के लिए मुझे अपना शूटिंग उपकरण चाहिए, तब मेरे पिता ने एक संपत्ति बेच दी ताकि हम वह खरीद सकें।

बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज 2026 में अमन सहरावत ने जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी, बुडापेस्ट

भारत के ओलंपिक कांस्य पदक विजेता और अंडर-23 एशियाई चैंपियन अमन सहरावत ने बुधवार को बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों के 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग का स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। पोल्याक इमरे, वर्गा जानोस और कोजमा इस्तवान मेमोरियल सीनियर रैंकिंग टूर्नामेंट (बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज) के फाइनल में अमन ने जॉर्जिया के रोबर्टी डिंगाशविली को पूरी तरह एकतरफा मुकाबले में 13-3 से तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर हराकर खिताब जीता। 22 वर्षीय अमन सहरावत ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह दुनिया के उभरते हुए सर्वश्रेष्ठ पहलवानों में शामिल हैं। इससे पहले वह पेरिस ओलंपिक में भारत के सबसे युवा व्यक्तिगत पदक विजेता बने थे। इसके अलावा वह अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप का स्वर्ण पदक जीतने वाले भारत के पहले पहलवान भी हैं। भारत की झोली में एक और पदक 61 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में आया, जहां दीपक ने कांस्य पदक अपने नाम किया। तीसरे स्थान के मुकाबले में दीपक ने अजरबैजान के नूरद्दीन नोवरुजोव को बेहद रोमांचक मुकाबले में 9-8 से हराकर कांस्य पदक जीता। भारत को 65 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में भी दो और पदकों की उम्मीद है। कुमार मोहित कांस्य पदक के मुकाबले में कजाकिस्तान के नाचिन कुलार से भिड़ेंगे।

बिजनेस

स्टॉक मार्केट में हैप्पी स्टील्स की मामूली बढ़त के साथ एंट्री, लिस्टिंग के बाद उछले कंपनी के शेयर

एजेंसी, नई दिल्ली

इलेक्ट्रिक व्हीकल्स और डिफेंस एप्लिकेशंस के लिए एक्सल, साफ्ट और स्पिंडल्स जैसी चीजों का निर्माण करने वाली कंपनी हैप्पी स्टील्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट ने मामूली बढ़त के साथ एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 66 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 3.03 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 68 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली के कारण कंपनी के शेयर थोड़ी देर में ही उछल कर 71.40 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। हालांकि इसके बाद बिकवाली होने के कारण अपर सर्किट ब्रेक हो गया। दोपहर 11:45 बजे तक कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 70.80 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह से अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 4.80 रुपये यानी 7.27 प्रतिशत का फायदा हो गया था। कंपनी का 25 करोड़ रुपये का आईपीओ नौ से तेरह जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 54.54 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 59.01 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 113.60 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 73.25 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 37.88 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नई मशीनरी खरीदने, पुराने कर्ज को कम करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। हैप्पी स्टील्स लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 4.69 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में घट कर 2.34 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का शुद्ध लाभ उछल कर 7.10 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 82.24 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में मामूली बढ़ोतरी के साथ 82.52 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति अच्छी तेजी आई। इस साल कंपनी को 96.57 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में इस दौरान उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 35.69 करोड़ रुपये का कर्ज था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 के अंत में मामूली गिरावट के साथ 34.21 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके अगले साल यानी पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ बढ़ कर 47.18 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

केंद्र ने नए सीएएफई-II मानदंडों का मसौदा जारी करके हितधारकों से मांगे सुझाव

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने कॉर्पोरेट औसत ईंधन दक्षता-2027 (सीएएफई-III) मानदंड का मसौदा जारी करके हितधारकों और आम जनता से 6 अगस्त तक सुझाव मांगे हैं। बिजली मंत्रालय के मुताबिक ये मानदंड 2027-28 से 2031-32 के दौरान भारत में बिक्री के लिए विनिर्मित या आयातित एम1 श्रेणी के यात्री वाहनों पर लागू करने का प्रस्ताव है।

इन मसौदा मानदंडों के संबंध में हितधारकों और आम जनता से सुझाव तथा प्रतिक्रिया मांगी गई है।

मसौदा मानदंड शीघ्र ही विद्युत मंत्रालय और ऊर्जा दक्षता ब्यूरो की वेबसाइटों पर भी अपलोड किए जाएंगे। वाहनों से होने वाले उत्सर्जन में चरणबद्ध तरीके से कमी लाने के उद्देश्य से तैयार किए गए ये नए मानदंड मौजूदा सीएएफई (द्वितीय) मानदंड की जगह स्थान लेंगे, जिनकी अवधि 31 मार्च, 2027 को समाप्त होने की संभावना है।

केंद्र ने डीजल, एटीएफ निर्यात पर विंडफॉल टैक्स बढ़ाया, पेट्रोल पर शुल्क घटाया

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संकट, भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स (अप्रत्याशित लाभ कर) में बदलाव किया है। केंद्र सरकार ने 16 जुलाई से डीजल और विमानन ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर विंडफॉल टैक्स बढ़ा दिया है, जबकि पेट्रोल के निर्यात पर शुल्क को घटाया है। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी (एसएईडी) के तहत पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात शुल्क में यह संशोधन किए गए हैं। डीजल के निर्यात पर लगने वाले विंडफॉल टैक्स को 8.50 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 15.50 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। विमानन ईंधन के निर्यात पर भी टैक्स 7.50 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 14.50 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। इसी तरह पेट्रोल के निर्यात पर शुल्क 4 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 2.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। इससे पहले 16 मई को पेट्रोल के निर्यात पर भी शुल्क लगाया गया था। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच सरकार ने 27 मार्च को डीजल और विमान ईंधन के निर्यात पर शुल्क लगाया था। इसके बाद हर पखवाड़े इसकी दरों में केंद्र सरकार संशोधन करती है। अधिसूचना में कहा गया है कि घरेलू खपत के लिए निकाले जाने वाले पेट्रोल और डीजल पर मौजूदा शुल्क दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सरकार के अनुसार, पश्चिम एशिया संकट की पृष्ठभूमि में पेट्रोलियम उत्पादों की घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए निर्यात को हतोत्साहित करने के उद्देश्य से यह अप्रत्याशित लाभ कर लगाया गया है।

स्टॉक मार्केट में लेजर पावर एंड इंफ्रा की मजबूत शुरुआत, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

पावर ट्रांसमिशन और डिस्ट्रीब्यूशन इक्विपमेंट बनाने वाली कंपनी लेजर पावर एंड इंफ्रा के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूती के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 214 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 25.70 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 269 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 16.82 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 250 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर एनएसई पर 267.98 रुपये तक चढ़ गया, वहीं बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण इसमें थोड़ी गिरावट भी दर्ज की गई। सुबह 11:15 बजे तक का कारोबार होने के बाद लेजर पावर एंड इंफ्रा के शेयर 263.04 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 49.04 रुपये यानी 22.92 प्रतिशत का फायदा हो गया है। इस कंपनी का 742 करोड़ रुपये का आईपीओ नौ से तेरह जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 41.05 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 97.25 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 45.69 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 6.95 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी में बदलाव नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली । घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में तेजी गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में आज लगातार चौथे दिन शुरुआती दौर में कोई बदलाव नहीं हुआ है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 720 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 790 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चेन्नई में आज सोने के भाव में 320 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 340 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी दर्ज की गई है। भाव में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,43,580 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,31,610 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 2,34,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,43,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,760 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,43,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

आयकर विभाग ने 2026-27 के लिए लागत मुद्रास्फीति सूचकांक बढ़ाकर 384 किया

एजेंसी, नई दिल्ली

आयकर विभाग ने अचल संपत्ति, प्रतिभूतियों और आभूषणों की बिक्री पर होने वाले दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ की गणना के लिए चालू वित्त वर्ष 2026-27 का लागत मुद्रास्फीति सूचकांक (सीआईआई) बढ़ा दिया है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) की अधिसूचना के अनुसार वित्त वर्ष 2026-27 के लिए लागत मुद्रास्फीति सूचकांक 384 निर्धारित किया गया है। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के लिए ये सूचकांक 376 था। विभाग के मुताबिक लागत मुद्रास्फीति सूचकांक (सीआईआई) की अधिसूचना आयकर अधिनियम, 1961 के तहत प्रत्येक वित्त वर्ष के लिए जारी की जाती है। इसका उपयोग किसी पूंजीगत परिसंपत्ति की बिक्री पर पूंजीगत लाभ की गणना करते समय 'सूचकांकित अधिग्रहण लागत' (इंडेक्स्ड कॉस्ट ऑफ एक्विजिशन) निर्धारित करने के लिए किया जाता है। आमतौर पर किसी परिसंपत्ति को 'दीर्घकालिक पूंजीगत परिसंपत्ति' की श्रेणी में आने के लिए 36 महीने से अधिक समय तक रखा जाना जरूरी होता है। हालांकि, अचल संपत्ति एवं गैर-सूचीबद्ध शेयर के लिए ये अवधि 24 महीने तथा सूचीबद्ध प्रतिभूतियों के लिए 12 महीने है।

तुम्बाड 2 की रिलीज डेट आउट, करना होगा लंबा इंतजार, 3 दिसंबर, 2027 को सिनेमाघरों में आ रही सोहम शाह की फिल्म

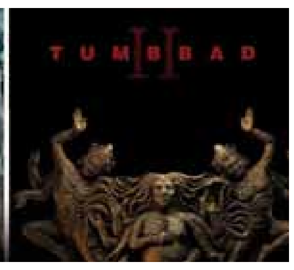

फिल्ममेकर सोहम शाह की आगामी मैथोलॉजिकल हॉरर-थ्रिलर फिल्म तुम्बाड का सीक्वल यानी तुम्बाड 2 की शूटिंग शुरू हो गई है. मेकर्स ने कुछ दिन पहले ही इसकी जानकारी दी थी और मुहूर्त शॉट की कुछ बिहाइंड-द-सीन्स तस्वीरें शेयर की थी. अब, मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा हटाया है. सोहम शाह की हॉरर फिल्म तुम्बाड 2018 में एक बड़ी हिट साबित हुई थी. इसे भारतीय सिनेमा के इतिहास की सबसे डरावनी और अनोखे ढंग से बनी हॉरर फिल्मों में से एक माना जाता है. इसकी जबरदस्त सफलता के बाद, फैंस इसके सीक्वल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. सोहम शाह ने आधिकारिक तौर पर तुम्बाड 2 की रिलीज़ डेट का एलान किया है. बता दें कि तुम्बाड 2 2026 में सिनेमाघरों में नहीं आएगी. इसे 2027 में रिलीज किया जाएगा. सोहम शाह ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर तुम्बाड 2 का एक नया पोस्टर शेयर किया, जिसमें फिल्म की रिलीज डेट भी बताई गई है. मेकर्स ने इस हॉरर फिल्म की ग्रैंड रिलीज के लिए 3 दिसंबर, 2027 की तारीख तय की है. इस पोस्टर को साझा करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, एक गुनाहों भरा अतीत, एक मनहूस भविष्य. भूख बढ़ रही है, लालच की विरासत जारी है. अपने कैलेंडर में तारीख नोट कर लें: तुम्बाड 2 आ रही है 3. 12. 2027 को. इसी महीने की शुरुआती हफ्ते में मेकर्स ने फिल्म का एक मोशन पोस्टर शेयर किया था और फैंस को गुड न्यूज देते हुए बताया कि फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है. मोशनल पोस्टर को साझा करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, आशीर्वाद और कृतज्ञता के साथ, तुम्बाड 2 का सफर शुरू होता है. हम सब मिलकर इस कहानी को आगे बढ़ाने के लिए एक साथ आए हैं. तुम्बाड 2 के साथ, मेकर्स इसकी कहानी का दायरा को और बड़ा करने की सोच रहे हैं, लेकिन वे फिल्म के ओरिजिनल अंदाज को भी जोड़े रखना चाहते है, जिसने पहली हॉरर फिल्म को सबसे अलग और देखने लायक बनाया था. रिपोर्ट के अनुसार, तुम्बाड 2 में सोहम शाह के साथ मुख्य भूमिका में नवाज़ुद्दीन सिद्दीकी नजर आएंगे. आदेश प्रसाद, जो तुम्बाड के सह-निर्देशक थे, इस सीक्वल का निर्देशन कर रहे हैं. सोहम शाह फिल्म्स के बैनर तले बन रही यह फिल्म 3 दिसंबर को 2027 में सिनेमाघरों में दर्शकों को एंटरटेन करने उतरेगी.

इमरान हाशमी शैतानी दुनिया में करेंगे वापसी, नई हॉरर फिल्म रूह का हुआ ऐलान, आई पहली झलक

बॉलीवुड एक्टर इमरान हाशमी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म आवारापन 2 को लेकर सुर्खियों में है. इसी बीच उनकी एक और नई फिल्म की अनाउंसमेंट हो गई है. वो एक बार फिर हॉरर जॉनर में वापसी करने जा रहे हैं. एक्टर जल्द ही फिल्म रूह में नजर आने वाले हैं. हाल ही में मेकर्स ने फिल्म की पहली झलक दिखाई है. मेकर्स ने आज इस फिल्म की ऑफिशियल अनाउंसमेंट के साथ इसका एक डरावना फर्स्ट लुक भी जारी किया है, जिसने फैंस का एक्साइटमेंट लेवल और बढ़ा दिया है. मेकर्स ने 52 सेकेंड का वीडियो शेयर किया है.रूह का फर्स्ट-लुक टीजर एक दमदार और डरावनी अवाज के साथ शुरू होता है. इसके बाद वीडियो में हवा में तैरती हुई एक लड़की की झलक देखने को मिलती है. वीडियो में आगे एक हाथ धुंधला सा शीशा साफ करता है, जिसके बाद इमरान हाशमी का चेहरा नजर आता है.और अचानक इमरान हाशमी की आंखें काली हो जाती हैं. इसके बाद फिल्म का टाइटल रूह लिखा नजर आता है. इमरान हाशमी ने इससे पहले राजः द मिस्ट्री कंटीन्यूज, राज 3, राज रीबूट और एक थी डायन जैसी हॉरर फिल्मों में काम किया है. अब रूह के साथ इमरान एक बार फिर उसी डर और रहस्य से भरी दुनिया में लौट रहे हैं. मेकर्स ने आगे बताया कि फिल्म अगल साल 2027 में थिएटर्स में रिलीज होगी और ये हिंदी के साथ-साथ तमिल और तेलुगु भाषाओं में भी दर्शकों तक पहुंचेगी. फिल्म रूह का निर्देशन मयंक शर्मा कर रहे हैं. इस फिल्म की कहानी मयंक शर्मा और विशाल कपूर ने मिलकर लिखी है. आवारापन 2 की बात करें तो इस फिल्म इमरान हाशमी के साथ दिशा पटानी लीड एक्ट्रेस को तौर पर नजर आएंगी. फिल्म 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. इमरान को आखिरी बार फिल्म हक में देखा गया था.

मलाइका अरोड़ा का बोल्ड अवतार देख फैंस हुए मदहोश

हाल ही में बॉलीवुड की फिटनेस क्वीन मलाइका अरोड़ा ने ग्रीस वेकेशन से अपना एक शानदार वीडियो साझा किया है, जिसमें उनका बेहद बोल्ड और मनमोहक अवतार देख फैंस मदहोश हो गए हैं। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जहां मलाइका को अपने हर पल को खुलकर एन्जॉय करते देख उनके प्रशंसक भी खुशी से गदगद हो उठे हैं। वीडियो में मलाइका एक मजेंटा प्रिंटेड बैकलेस मोनोकनी पहने पूल में चिल करती हुई दिखाई दे रही हैं। उन्होंने बड़ी सहजता से अपने टोंड फिगर को फ्लॉन्ट किया, जो उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण का प्रमाण है। खुले बाल और सटल मेकअप में मलाइका किसी डीवा से कम नहीं लग रही थीं, और उनकी मनमोहक अदाओं से नजरें हटाना दर्शकों के लिए मुश्किल हो रहा था। उन्होंने पूल में खूब मस्ती की, जिससे उनकी जीवंत और ऊर्जावान शख्सियत खुलकर सामने आई। इस वीडियो में मलाइका ने अपने आसपास के बेहद खूबसूरत नजारे को भी दिखाया – नीले समंदर और आसमान के बीच उनका टशन और स्वैग किसी को भी अपनी ओर क्रेजी कर सकता है। मलाइका के इस वीडियो पर कमेंट सेक्शन में फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं। हजारों प्रशंसकों ने हार्ट और फायर इमोजी के साथ उनकी तारीफ की है। लोग उनकी बेमिसाल खूबसूरती, फिटनेस और आत्मविश्वास की सराहना करते हुए नहीं थक रहे। उनकी इस उम्र में भी बरकरार यूथफुलनेस और बोल्डनेस कई लोगों के लिए प्रेरणा बन चुकी है। मलाइका अपनी शर्तों पर अपनी जिंदगी जी रही हैं, जो उन्हें कई महिलाओं के लिए एक आदर्श बनाती है। अपने बोल्ड फैशन सेंस और बेबाक अंदाज के साथ-साथ मलाइका अपनी लव लाइफ को लेकर भी अक्सर चर्चा में बनी रहती हैं। अभिनेता अरबाज खान से तलाक के बाद मलाइका ने दूसरी शादी नहीं रचाई है, हालांकि उनकी डेटिंग की खबरें लगातार सुर्खियों में बनी रहती हैं। इन सबके बावजूद, मलाइका अपनी निजी और पेशेवर जिंदगी को पूरी गरिमा और आत्मविश्वास के साथ संभालती हैं।

लाल जोड़े में मोनालिसा ने ढाया कहर, बोल्ड ब्राइडल फोटोशूट ने बढ़ाया इंटरनेट का तापमान

भोजपुरी क्वीन और टेलीविजन स्टार मोनालिसा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक बेहद हॉट और दिलकश ब्राइडल फोटोशूट शेयर किया है। सुर्ख लाल रंग के पारंपरिक लहंगे और डीप-नेक ब्लाउज में वह किसी अप्सरा से कम नहीं लग रही हैं। हेवी कुंदन ज्वेलरी, नथ और मांगटीके के साथ उनके कातिलाना फेशियल एक्सप्रेशन्स ने फैंस को दीवाना बना दिया है। इंटरनेट पर उनका यह बोल्ड ब्राइडल लुक तेजी से ट्रेंड कर रहा है। भोजपुरी से लेकर टीवी इंडस्ट्री तक अपनी पहचान बना चुकी मोनालिसा अक्सर अपनी बोल्ड अदाओं से इंटरनेट पर तहलका मचाती रहती हैं। मोनालिसा ने एक बार फिर सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है। हाल ही में उन्होंने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर पारंपरिक दुल्हन के अवतार में अपनी कुछ बेहद खूबसूरत तस्वीरें साझा की हैं। तस्वीरों में मोनालिसा का ग्लैमर और देसी अंदाज इस कदर निखर कर आ रहा है कि देखने वाले अपनी नजरें नहीं हटा पा रहे हैं। मोनालिसा ने इस फोटोशूट के लिए एक शाही लाल रंग का ब्राइडल लहंगा चुना है। मोनालिसा ने लहंगे के साथ मैचिंग डीप-नेकलाइन सिल्क ब्लाउज कैरी किया है, जिसपर गोल्डन जरी और फ्लोरल कढ़ाई का बारीक काम किया गया है। इसके साथ उन्होंने सिर पर लाल रंग का नेट दुपट्टा कैरी किया है, जिस पर सुनहरी बूटी और हैवी गोटा-पट्टी बॉर्डर है। तस्वीरों में मोनालिसा की अदाएं और उनके सेक्सी पोज फैंस के दिलों पर छुरियां चला रहे हैं। कुछ तस्वीरों में वह शर्माती हुई नीचे की ओर देख रही हैं, तो कुछ में वह कैमरे की तरफ देखकर अपनी कातिल मुस्कान बिखेर रही हैं। अपने लुक को कम्पलीट करने के लिए मोनालिसा ने परफेक्ट ग्लैम ब्राइडल मेकअप चुना है। स्मोकी आजि, विंग्ड आईलाइनर और मस्कारा के साथ उनकी आंखें बेहद नशीली लग रही हैं। डार्क रेड लिपस्टिक उनके पूरे चेहरे को ग्लोइंग बना रही है। ज्वेलरी की बात करें तो उन्होंने ट्रेडिशनल ब्राइडल लुक को पूरा करने के लिए हैवी कुंदन और गोल्ड ज्वेलरी कैरी की है।

अखिल अक्किनेनी की मास एक्शन ड्रामा फिल्म लेनिन का तहलका, 4 दिनों में दुनिया भर में 67.2 करोड़ की कमाई की

मुरली किशोर अब्बूर के डायरेक्शन में बनी अखिल अक्किनेनी की मास एक्शन ड्रामा फिल्म लेलिन ने 4 दिनों में दुनिया भर में 67.2 करोड़ रुपये की कमाई की है। मेकर्स ने कन्फर्म किया है कि फिल्म तीसरे दिन ही मुनाफ़े वाले ज़ोन में आ गई थी। ज़बरदस्त एक्शन, थमन का बैकग्राउंड म्यूज़िक और भाग्यश्री बोर्से के रोल की वजह से आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में बड़ी संख्या में दर्शक सिनेमाघरों तक पहुँचे। फिल्म ने पहले दिन दुनिया भर में 16.7 करोड़ रुपये की ओपनिंग की, जो अखिल के करियर की अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग है। वीकेंड की रफ़्तार की वजह से 3 दिनों में कुल कमाई 61.1 करोड़ रुपये तक पहुँच गई। ट्रेड रिपोर्ट्स के मुताबिक, लोगों की पॉज़िटिव प्रतिक्रिया और ग्रामीण इलाकों में फिल्म की लोकप्रियता के कारण डिस्ट्रीब्यूटर्स ने अपना इन्वेस्टमेंट जल्दी ही वसूल कर लिया। सोमवार को दुनिया भर में 6.1 करोड़ रुपये की कमाई के साथ कलेक्शन में बड़ी गिरावट देखी गई। फिर भी, बीएमएस पर 74 हज़ार से ज़्यादा टिकट बिके, जो दर्शकों की लगातार दिलचस्पी को दिखाता है। मेकर्स ने ट्वीट किया कि लेलिन ब्लॉकबस्टर कहानी को नए सिरे से लिख रही है और हफ़्ते के दिनों में गिरावट के बावजूद एक और बड़े हफ़्ते की ओर बढ़ रही है। 4 दिनों में 67.2 करोड़ रुपये की कमाई के साथ, लेलिन की नज़र अब 100 करोड़ रुपये के आंकड़े पर है। अगर वीकेंड जैसा ट्रेंड फिर से देखने को मिला, तो अखिल की सबसे बड़ी हिट फिल्म बनने की संभावना है। आने वाले दिनों में सिनेमाघरों में फिल्म की सफलता के लिए दर्शकों का रिस्पॉन्स, अखिल की अब तक की सबसे बेहतरीन परफॉर्मेंस और थमन का म्यूज़िक अहम भूमिका निभाएंगे।

धमाल 4 ने चौथे दिन कर डाली बंपर कमाई, वर्ल्डवाइड पार किया 100 करोड़ का आंकड़ा, अल्फा दूसरे हफ्ते में मुंह के बल गिरी

अजय देवगन की कॉमेडी ड्रामा फिल्म धमाल 4 कारोबारी दिनों में दस्तक दे चुकी है। जैसा कि उम्मीद की जा रही थी, इसने चौथे दिन भी शानदार कारोबार किया है और 70 करोड़ रुपये से ज्यादा रकम अपनी झोली में बटोर ली है। फिल्म का खुमारा लोगों पर किस कदर चढ़ा है, यह इसके कलेक्शन से साफ पता चलता है। इस तूफानी कमाई से धमाल 4 ने पिछली कई फिल्मों को धूल चटा दी है। आइए देखें इसका ताजा कलेक्शन। सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने रिलीज के चौथे दिन (सोमवार को) 8.75 करोड़ रुपये कमाए हैं। आमतौर पर फिल्में कारोबारी दिनों में आकर पस्त हो जाती हैं, लेकिन धमाल 4 ने दिखा दिया कि वह अभी घुटने टेकने वाली नहीं है। इसका कुल नेट कलेक्शन अब 73.75 करोड़ रुपये हो गया है, जबकि वर्ल्डवाइड इसने 102.83 करोड़ रुपये कमाए हैं। जल्द ही यह शाहिद कपूर अभिनीत फिल्म ओ रोमियो (83.35 करोड़ रुपये) को मात देने वाली है। आलिया भट्ट, शरवरी वाघ और बॉबी देओल जैसे कलाकारों वाली एक्शन थ्रिलर फिल्म अल्फा दूसरे हफ्ते में आकर बॉक्स ऑफिस से गायब होने लगी है। इसने रिलीज के 11वें दिन, यानी सोमवार को कुल 75 लाख रुपये कमाए हैं, जिसके बाद इसका कुल नेट कलेक्शन 54.35 करोड़ रुपये हुआ है। दूसरी ओर, अक्षय कुमार की वेलकम टू द जंगल ने 18वें दिन महज 55 लाख रुपये कमाए। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुल 130.10 करोड़ रुपये कमा सकी है।

संगीत से बढ़ सकती है आपकी उत्पादकता, जानिए यह कैसे है मददगार

संगीत हमारे जीवन का अहम हिस्सा है, जो केवल मनोरंजन का साधन ही नहीं है। यह न केवल हमें आनंदित करता है, बल्कि हमारी उत्पादकता को भी बढ़ा सकता है। सही प्रकार का संगीत सुनने से हमारा मन शांत होता है और हम बेहतर तरीके से काम कर पाते हैं। आज हम जानेंगे कि कैसे संगीत हमारी उत्पादकता को बढ़ा सकता है और किन तरीकों से इसे अपने जीवन में शामिल किया जा सकता है। काम करते समय सही धुन चुनना बहुत जरूरी है। धीमी और शांत धुन, जैसे शास्त्रीय या हल्के संगीत आपके दिमाग को शांत करते हैं और आपको अधिक ध्यान केंद्रित करने में मदद करते हैं। तेज और ऊर्जा से भरपूर धुन आपके ऊर्जा स्तर को बढ़ा सकती है, जिससे आप अधिक उत्साहित महसूस करते हैं। इस प्रकार की धुन आपके काम की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाने में मदद कर सकती है। ध्यान लगाने के लिए भी संगीत का उपयोग किया जा सकता है। कुछ विशेष प्रकार की धुनें, जैसे ध्यान संगीत या तरंग थेरेपी आपके मन को शांत करती हैं और ध्यान लगाने में मदद करती हैं। इससे आपकी मानसिक स्थिति बेहतर होती है और आप अधिक फोकस होकर काम कर पाते हैं। इस प्रकार की धुन सुनने से आपके दिमाग की क्षमता बढ़ती है और आप अपने कार्यों में अधिक समर्पण और ध्यान लगा पाते हैं। संगीत सुनने से तनाव कम करने में भी मदद मिलती है। जब आप किसी तनावपूर्ण स्थिति में हों तो कुछ मिनट के लिए आरामदायक धुन सुनना आपके मनोबल को बढ़ा सकता है और आपको शांत महसूस करवा सकता है। इससे आपकी मानसिक स्थिति बेहतर होती है और आप अपनी समस्याओं का समाधान आसानी से कर पाते हैं। यह तरीका न केवल आपको मानसिक शांति देता है, बल्कि आपके काम की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाता है। रचनात्मक कार्यों के लिए भी संगीत बहुत अहम होता है। अगर आप कोई रचनात्मक कार्य कर रहे हों, जैसे कि लेखन, चित्रकारी या संगीत रचना आदि तो बैकग्राउंड में संगीत सुनने से आपकी रचनात्मकता बढ़ती है और नए विचार आते रहते हैं। इससे आपका काम ज्यादा आसानी से हो जाता है। सही प्रकार की धुन आपके मनोबल को बढ़ाती है और आपको प्रेरित करती है, जिससे आप अपने कार्य में पूरी तरह से डूब जाते हैं।

2022 in mind Congress may continue with Amarinder Raja Warring as Punjab party chief

NEW DELHI, AGENCY : Congress on Wednesday indicated it was not in favour of leadership change in the Punjab unit, rebuffing a section of functionaries who have demanded that Amarinder Raja Warring be removed from the post of state president.

AICC Punjab in charge Bhupesh Baghel, responding to queries about change, repeated his earlier remark, "yeh gudde gudiya ka khel nahin hai (this is not a child's play)." He met Congress general secretary K C Venugopal who is said to have conveyed to him the party brass' stance on the Punjab issue. Party president Mallikarjun Kharge, Rahul Gandhi and Venugopal held a discussion on poll-bound states including Punjab Tuesday.

Congress is wary of going back on the appointments it issued recently, in which party named former CM Charanjit Channi as chairperson of the campaign committee while reiterating that Warring would continue as the state chief - which triggered a backlash from state functionaries including Lok Sabha MPs Channi and Sukhjinder Randhawa.

Now, all eyes are on the Parliament session starting Monday. As Channi and Randhawa will come to Lok Sabha, Congress brass is likely to meet them informally, without inviting fresh attention.

With Punjab polls slated for early 2027, the dissidence has put Congress in a catch-22 situation. While rescinding the AICC order on Warring could encourage similar arm-twisting in other states, sticking to it threatens to leave a big chunk of the state unit unhappy. Insiders said a please-all decision is not possible, but the party can try to persuade the dissidents with assurances.

The 2022 experience is haunting the party. The removal of Amarinder Singh as chief minister, replaced by Channi, had increased the dissidence. Then Punjab state chief Navjot Singh Sidhu and campaign chief Sunil Jakhar targeted the party and Channi from inside, which tanked the Congress's poll campaign.

Delhi high court judge, later Manipur CJ had LPG agency during tenure

NEW DELHI, AGENCY : Judges, especially those in constitutional courts, are bound by oath and an unwritten code of conduct which make it highly unethical for them to have any pecuniary, contractual, business or trade links with the government, private parties, PSUs or companies.

However, this didn't deter Justice (retd) Siddharth Mridul from running an LPG distribution agency through his 16-year tenure as a judge of Delhi high court and Chief Justice of Manipur HC.

Mridul, who started practice as an advocate in Delhi HC in 1986, was appointed a judge in the same court in March 2008. He became Manipur HC Chief Justice in October 2023.

The distributorship agreement between BPCL and Mridul for the company 'Kitchen Flame' was renewed on Aug 25, 1995; Aug 24, 2005; Aug 23, 2010; Aug 25, 2015; May 7, 2025; and on Sep 29 last year (with validity up to Aug 24, 2030). The last agreement (TOI has a copy) displays Mridul's photograph on a stamp paper and is signed by him for 'Kitchen Flame'.

While constitutional court judges, in keeping with transparency norms, need to declare their shareholdings in companies to avoid conflict of interest, Justice Mridul, who retired as Manipur HC CJ on Nov 21, 2024, appears to have violated the code of ethics by continuing with the LPG distributorship allotted to him in 1984 by Bharat Petroleum.

Viral audios put East Champaran education department under scanner

Sagar Suraj

Viral audios alleging bribery in East Champaran education department spark corruption questions; teachers allege middlemen culture, officials yet to verify recordings

Motihari: Two purported audio clips circulating on social media have triggered fresh allegations of corruption and the existence of an alleged middlemen network in the East Champaran education department, with teachers claiming that money is routinely demanded to facilitate official work ranging from departmental proceedings to salary-related files.

Border News Mirror has not independently verified the authenticity of either audio recording.

One of the recordings is linked to Rekha Kumari, a teacher of Shri Vishnu Prakash High School, Madhuban, against whom departmental proceedings under 'Prapatra-K' have already been initiated following directions from the Deputy Development Commissioner (DDC).

The charges include unauthorised absence, indiscipline, alleged violation of official instructions and disruption of academic and administrative functioning of the school.

Departmental action has also been initiated against the school's acting headmaster, while another teacher has been placed under suspension.

The controversy, however, has now moved beyond the departmental inquiry. According to the viral audio, a demand of 40,000 was allegedly made in the name of securing relief in the disciplinary proceedings. The conversation purportedly suggests that an attempt was being made to negotiate the amount through an intermediary.

If established as genuine, the recording could point to a larger pattern of alleged corruption rather than an isolated incident.

Teachers allege unofficial 'rate' for departmental work: Several teachers alleged that unofficial payments are routinely sought through middlemen for clearing arrears, salary dues, service book corrections, transfer-related work, departmental inquiries, show-cause proceedings and other administrative matters.

They claimed that teachers unwilling to pay are often made to visit offices repeatedly and face prolonged delays on procedural grounds.

Some also alleged that middlemen operate in the names of Block Education Officers (BEOs) and District Programme Officers (DPOs).

Second audio raises fresh questions: Another purported audio recording features a teacher identified as Rajeev Kumar, who is alleged to have been working on deputation at the district education office for a prolonged period.

In the recording, he is purportedly heard speaking of his familiarity with senior officials and allegedly remarks that "had the data been uploaded, all of us would have earned money." The authenticity of the recording remains unverified, and there is no official confirmation regarding its contents.

Past controversies resurface: The viral recordings have also revived discussions over previous allegations of delays in teachers' payments and alleged harassment within the department.

Recently, the death of a teacher's husband inside the district education office premises had drawn attention to prolonged delays in release of pending dues.

Earlier, a teacher from Adapur had also died while reportedly pursuing payment-related issues. In that case, an FIR had been registered against the then establishment DPO Sahab Alam on allegations including demand for illegal gratification and culpable homicide not amounting to murder. The matter remains part of the legal process.

DM refrains from commenting on viral audios: District Magistrate Saurabh Suman Yadav did not offer any comment on either of the two viral audio recordings when contacted regarding the allegations. His comment was asked on his official whatapp.

Earlier, the district administration had directed the education department to ensure time-bound disposal of teachers' payment-related applications and maintain a logbook for monitoring the progress of pending cases to improve accountability and transparency.

Demand for independent probe

The circulation of the purported recordings has generated widespread debate on social media, with users demanding forensic examination of the audios and an independent inquiry into allegations of corruption and the alleged role of middlemen in the education department.

FDA raids Siya Goyal s father s shop seizes food products worth over Rs 8 lakh

NEW DELHI, AGENCY : The Maharashtra Food and Drug Administration (FDA) has raided a Pune shop owned by the family of Siya Goyal, one of the accused in the murder of realtor Ketan Agarwal, and seized food products worth more than Rs 8 lakh over alleged violations of food safety norms.The inspection was carried out at M/s BG Goyal & Company, owned by Pravin Goyal, Siya Goyal's father, in Pune's Market Yard on July 14. Officials said 4,172 kg of food products valued at Rs 8,14,630 were seized after the establishment was allegedly found operating a storeroom without a licence, violating labelling norms and stocking products suspected to be substandard or unsafe.

The FDA clarified that the action was based on alleged violations under the Food Safety and Standards Act and has not stated that the raid was linked to the ongoing murder investigation involving Siya Goyal.

During the inspection, officials collected four samples for laboratory analysis. The samples included 'Sant' and 'Sadhu' brand turmeric powder, sesame seeds and soya mini chunks. The seized stock comprised 598 kg of one brand of turmeric powder, 1,258 kg of another brand, 538 kg of sesame seeds and 1,778 kg of soya mini chunks.

According to the FDA, the firm had also failed to make the necessary corrections to its licence details.

BJP turns PM Modi visits to states into swachh drives

NEW DELHI, AGENCY : PM Narendra Modi's visits to states are increasingly being preceded by organised cleanliness drives under the 'Swachhata Se Swagat' banner, giving new vigour to a campaign he has long championed. Across BJP-governed states, administrations and party units are converting the familiar pre-VVIP spruce-up into a public campaign. CMs, ministers, lawmakers, civic workers and residents are being mobilised to sweep roads, clear markets and clean ghats and other public spaces before Modi arrives - giving the political welcome a 'Swachh Bharat' imprint. The latest rollout is in Haryana, where CM Nayab Saini has launched a statewide drive ahead of Modi's July 17 visit to Jind. Saini began the exercise in Panchkula by sweeping a market and planting a sapling. Ministers, MPs, MLAs and local representatives have been asked to lead similar drives across districts until the PM's arrival.

The campaign also dovetails with the purpose of Modi's visit. He is scheduled to flag off India's first hydrogen-powered passenger train on the Jind-Sonipat route and launch development projects, allowing the state to link the welcome with cleanliness, citizen participation and green mobility.

The template gathered visibility during Modi's June visits to Odisha and WB. Odisha organised cleanliness activities under the slogan before his June 20 programme. Kolkata followed with a six-day operation across all 144 municipal wards and 16 boroughs, involving residents and civic personnel. CM Suvendu Adhikari and other public representatives also joined the exercise at public spaces.

Videos of a passenger train running between Madurai and Rameswaram recently went viral after a traveller showed its coach, washrooms and floor remaining remarkably clean even after a 170 km journey.

Harsiddhi land mutation row reaches DM; probe sought over 'fake parcha' claim

Sagar Suraj

Harsiddhi land dispute: Raiyat moves DM alleging mutation on basis of 'fake parcha'; seeks independent probe into land records

Motihari : A land mutation dispute in East Champaran's Harsiddhi circle has reached the district magistrate, with a raiyat alleging that his ancestral land was mutated in another person's name on the basis of a "fake parcha" despite an earlier official report declaring the document invalid.

Tribhuvan Choubey, a resident of Ujjain Lohiyar Gaighat village, has submitted a petition to District Magistrate Saurabh Suman Yadav seeking a high-level and impartial inquiry into the alleged irregularities. He has also sought departmental and legal action against those found responsible.

According to the petition, the disputed land under Thana No. 133, Khata No. 163 and Plot No. 2394 was legally registered in 1967 and has remained in his family's name for decades, with jamabandi and land revenue receipts being issued regularly.

Choubey alleged that the land was later mutated in favour of another person on the basis of a forged parcha, in violation of revenue rules.

The petitioner claimed that the then circle officer, in a report dated November 30, 2024, had declared the disputed parcha invalid. Despite this, a fresh mutation was allegedly approved in 2025 using the same document, raising serious questions over the decision-making process.

Choubey has further alleged that revenue records were manipulated by preparing backdated entries in the year of 1971 and making fresh entries in Jamabandi No. 15 of Register-II, which he claimed had remained vacant earlier like many other vacant Jamabandi इन register 2 . He also questioned the authenticity of the amin's report, possession verification and other revenue records connected with the case.

Speaking to reporters, Choubey alleged that the illegal mutation was carried out after payment of a huge amount as bribe. The allegation has not been independently verified, and no official confirmation has been made regarding the bribery claim.

He has demanded that the inquiry be conducted by a senior district-level officer or a committee headed by the Additional Collector (Revenue), outside the jurisdiction of Harsiddhi Circle. The petition also seeks scrutiny of all relevant records, including the mutation order, parcha, Register-II, khatiyan, cadastral maps and other revenue documents.

District Magistrate (DM) Saurabh Suman Yadav said appropriate action would be taken after verifying all the allegations.

No response from the Harsiddhi Circle Office was immediately available.

'Jam-packed' with cockroaches Kunal Kamra Chandrashekhar Azad join CJP protest on day 25

NEW DELHI, AGENCY : The Cockroach Janata Party's (CJP) protest seeking Union education minister Dharmendra Pradhan's resignation over alleged irregularities in the NEET examination drew fresh support on Wednesday, with comedian Kunal Kamra and Bhim Army chief Chandrashekhar Azad joining demonstrators at Delhi's Jantar Mantar.

Kamra attended the protest wearing a T-shirt featuring Mahatma Gandhi, while Azad met education reformer and climate activist Sonam Wangchuk, who has now been on an indefinite hunger strike for 18 days. The CJP-led agitation itself has continued for 25 days.

Welcoming Azad's participation, CJP founder Abhijit Dipke said, "A big thank you to Bhim Army Chief sir for joining CJP's protest today and extending his support to our movement. Your presence has lifted the spirits of the students who have been protesting for the past 25 days."

CJP has called for a mass hunger strike on Thursday. "Tomorrow, July 16th, join us for 1-day mass hunger strike in solidarity with Sonam Wangchuk and the students of this country," it said.

Tharoor extends support

Congress MP Shashi Tharoor also expressed support for the students' agitation, publishing an open letter addressed to the protesters at Jantar Mantar in which he described himself as "deeply troubled" by the challenges facing young Indians.

Recalling his own middle-class upbringing, Tharoor said his education had depended on a fair and merit-based examination system.

"This is personal for me. I was born to a middle-class family... For a family like ours, merit was not a slogan. Scholarships, fair examinations, honest results - these were the only way one salary could carry three children's dreams," he wrote.

Film personalities appeal to Wangchuk

As Wangchuk's fast entered its third week, several members of the film fraternity appealed to him to end the hunger strike, saying his health was vital for the movement.